2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -341 सोमवार,17 अक्टूबर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

कुसंगति पाकर कौन नष्ट नहीं हो जाता,जो नीच लोगों की राय पर चलता है,उसकी बुद्धि नष्ट हो जाती है।

- वाल्मीकि रामायण-

संक्षिप्त समाचार

सर्विस राइफल से आरक्षक ने खुद को मारी गोली

अंबागढ़, 16 अक्टूबर 2022। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ जिले में एक जवान ने अपने आप को गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

रविवार सुबह 7 बजे की जिले के डोमीकला बेस कैंप में पदस्थ आरक्षक बेदराम ने अपने ही सर्विस राइफल से गोली चला कर खुदकुशी जैसे बड़ा कदम उठा लिया। युवक की उम्र 35 वर्ष थी।

जानकारी के अनुसार आरक्षक बेदराम राज पिता कन्हैया लाल राज बिलासपुर के कोटा का रहने वाला था। जिसकी पोस्टिंग कुछ महीने पहले डोमीटोला कैंप में हुई थी। आरक्षक पहले 2020 से औंधी थाना में पदस्थ थे। आरक्षक के खुदकुशी करने की सूचना के बाद औंधी और मानपुर पुलिस की टीम घटनास्थल पहुंच गई है। पुलिस ने आरक्षक वेदराम के परिवार को भी खबर देकर बुला लिया है। फिलहाल आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है। औंधी थाना प्रभारी देवेंद्र दर्रो ने बताया कि परिवार वालों से बातचीत के बाद ही कुछ बता पाएंगे। अभी कारण स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का ऑपरेशन हुआ सफल ,सुबह हुई थी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली , 16 अक्टूबर 2022। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बायीं आंख में मोतियाबिंद की समस्या थी। आज (16 अक्टूबर) राष्ट्रपति के आंख का सफल ऑपरेशन सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में हुआ है। राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता ने बताया की ऑपरेशन सफल रहा और राष्ट्रपति को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू की बायीं आंख में मोतियाबिंद की शिकायत थी। रविवार(आज) सुबह 11:30 बजे दिल्ली कैंट स्थित आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल में भर्ती हुई थीं। राष्ट्रपति मुर्मू की सर्जरी ब्रिगेडियर एसके मिश्रा और उनकी टीम द्वारा की गई। ऑपरेशन के बाद दोपहर 1:30 बजे उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सेना अस्पताल ने बताया कि राष्ट्रपति को आराम करने की सलाह दी गई है।

ट्विन टावर्स में फ्लैट खरीदने वाले 15 लोगों को दें 1 करोड़ : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2022। सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक मामले में सुनवाई के दौरान कहा है कि एक करोड़ रुपये 15 होम बायर्स के लिए रिलीज किया जाए। कोर्ट ने कहा कि सुपरटेक लिमिटेड के अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रफेशनल (आईआरपी) की ओर से डिपॉजिट किए गए रुपये बायर्स को दिए जाएं।

8 दिसंबर तक एक करोड़ रुपये और जमा करे

सुप्रीम कोर्ट ने 26 अगस्त को सुपरटेक की आईआरपी से कहा था कि वह एक करोड़ रुपये सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करे, ताकि होम बायर्स को राहत दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट को कोर्ट सलाहकार गौरव अग्रवाल ने बताया कि पैसे जमा किए जा चुके हैं और पैसे होम बायर्स को दिया जा सकता है। जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ की बेंच ने आईआरपी से कहा है कि वह 8 दिसंबर 2022 तक एक करोड़ रुपये और जमा करे। ये रकम फ्लैट बायर्स को दिए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट उस कंटेप्ट पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है जिसमें होम बायर्स ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल ट्विन टावर ध्वस्त करने के निर्देश के साथ-साथ फ्लैट बायर्स के रकम वापस करने को कहा था, लेकिन पैसे नहीं मिले।

सुपरटेक ने फ्लैट के पैसे वापस नहीं किए

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने आईआरपी और कोर्ट सलाहकार गौरव अग्रवाल से कहा था कि वह होम बायर्स के बकाया कितने हैं, इसे पता लगाने के लिए मिलकर काम करें और सुप्रीम कोर्ट के सामने डिटेल पेश किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शीर्ष अदालत ने होम बायर्स के फ्लैट की कीमत वापस करने का जो आदेश दिया था उसे सुनिश्चित करने के लिए हम आईआरपी को निर्देश देते हैं कि एक करोड़ रुपये रजिस्ट्री में जमा किए जाए।

सुप्रीम कोर्ट कंटेप्ट पिटिशन पर सुनवाई कर रही है जिसमें होम बायर्स ने कहा है कि सुपरटेक ने उनके फ्लैट के पैसे वापस नहीं किए जबकि कोर्ट ने इस मामले में 31 अगस्त 2021 को आदेश पारित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल सुपरटेक के ट्विन टावर ध्वस्त करने के आदेश दिए थे और जिन लोगों का उसमें फ्लैट था उसे पैसे रिफंड करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा स्थित सुपरटेक के एमरॉल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के 40 फ्लोर के ट्विन टावर (टी-16 और टी-17) को अवैध करार देते हुए गिराने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को बिल्डर कंपनी सुपरटेक लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट के आदेश से ट्विन टावर को ध्वस्त किया जा चुका है।

टावर के जो बॉयर्स हैं उन्हें 12 फीसदी ब्याज के साथ पैसे रिफंड किए जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्विन टावर में जो भी फ्लैट बॉयर्स हैं उन्हें 2 महीने के भीतर उनके पैसे रिफंड किए जाए। साथ ही उस रकम का 12 फीसदी ब्याज का भी भुगतान किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही बिल्डर को निर्देश दिया है कि वह एमरॉल्ड कोर्ट ओनर रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशन को हर्जाने के तौर पर दो करोड़ रुपये का भुगतान एक महीने के भीतर करे।

कांग्रेस अध्यक्ष के लिए दो प्रत्याशी होने पर असमंजस में राहुल गांधी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2022। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए मतदान की तिथि काफी नजदीक आ गई है। ऐसे में प्रतियाशियों का चुनाव प्रचार तेज होना स्वाभाविक है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर चुनावी मैदान में एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी बने हुए हैं।

इस बीच मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक के बेल्लारी जिले में भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी और अन्य नेताओं के साथ पदयात्रा की। केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में कांग्रेस नेता रहे खरगे इस यात्रा के 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करने की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए यहां हुई एक विशाल जनसभा में भी शामिल हुए।

उन्होंने अपने गृह राज्य में आज पहली बार इस यात्रा में भाग लिया। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा' ने 30 सितंबर को कर्नाटक में प्रवेश किया था और 21 दिन में 511 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद 20 अक्टूबर को राज्य में यह यात्रा संपन्ना होगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खरगे पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर से है।

वहीं खरगे का इस तरह से राहुल की पदयात्रा में शामिल होना गांधी परिवार के ऊपर सवाल खड़ा कर सकता है। दरअसल, राहुल गांधी ने कहा था कि हम अध्यक्ष चुनाव में किसी का समर्थन नहीं करेंगे लेकिन खड़गे अध्यक्ष चुनाव के दो दिन पहले उनके साथ नजर आ रहे हैं।

'ससुराल सिमर का' शो फेम वैशाली ठक्कर ने इंदौर में की खुदकुशी,फांसी लगाकर दी जान

नई दिल्ली , 16 अक्टूबर 2022। छोटे पर्दे के फेमस शो ससुराल सिमर का की एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर ने तनाव के चलते आत्महत्या कर ली है। एक्ट्रेस ने इंदौर में अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी की। एक्ट्रेस की मौत की खबर से टीवी इंडस्ट्री में हलचल मच गई है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है। वह इस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को बरामद हुआ सुसाइड नोट- एक्ट्रेस ने फांसी लगाने से पहले एक नोट भी लिखा था जो पुलिस को मिला है। इस सुसाइड नोट के अनुसार, वे अपने पुराने बॉयफ्रेंड के द्वारा की गई प्रताड़ना के कारण तनाव में थी। इसी कारण से उन्होंने इतना बड़ा स्टेप उठा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एक्ट्रेस ने इंदौर के साईं बाग स्थित अपने घर पर फांसी लगाई। एसीपी एम रहमान ने जानकारी देते हुए कहा कि एक्ट्रेस ने बीती रात को फांसी लगा ली है। उनके पास से सुसाइड नोट मिला है। इससे पता चल रहा है कि पुराने बॉयफ्रेंड ने उन्हें प्रताड़ित किया जिसके कारण वह तनाव में थी। इस मामले की जांच की जा रही है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है में आई थी नजर

बता दें वैशाली ठक्कर ने फेमस शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में संजना का किरदार निभाया था। इस शो से उन्हें काफी पहचान भी मिली थी। इसके बाद शो %ससुराल सिमर का सीरील में उन्होंने अंजलि का रोल निभाया था। वैशाली को बेस्ट एक्ट्रेस इन निगेटिव रोल का सम्मान भी गोल्डन पेटल अवार्ड में मिल चुका है। इस शो के बाद वह ये वादा रहा, ये हैं आशिकी, ससुराल सिमर का, सुपर सिस्टर, लाल इश्क और विष और अमृत में नजर आई।

फिल्मों में भी आ चुकी है नजर

आखिरी बार वैशाली साल 2019 के शो मनमोहिनी में नजर आई हैं। टीवी के अलावा वैशाली ने फिल्मों में भी काम किया है। वैशाली मूल रूप से उज्जैन के महिदपुर की रहने वाली हैं।

बीते साल एक्ट्रेस ने तोड़ी थी सगाई

खबरों के मुताबिक साल 2021 में अप्रैल के महीने में वैशाली ने सगाई की थी। एक्ट्रेस की सगाई परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में हुई थी। हालांकि, सगाई के एक महीने बाद ही वैशाली ने अपनी सगाई तोड़ दी थी और कहा था कि वो अब अपने मंगेतर से शादी नहीं करेंगी। सगाई के टूटने का कारण सामने नहीं आया था।

जिस्म का सौदाः

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट,3 लड़कियां और 2 लड़के गिरफ्तार,आपत्तिजनक चीजें बरामद

कानपुर , 16 अक्टूबर 2022। स्पा सेंटर के नाम पर सेक्स रैकेट चलाने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. 4 दिन में पुलिस ने 2 स्पा सेंटरों में छापा मारकर 6 लड़कियों और 4 लड़कों को पकड़ा है. इनमें 2 लड़कियां मणिपुर की रहने वाली हैं. शनिवार को पुलिस ने रावतपुर इलाके में कई थानों की फोर्स और सादी वर्दी में महिला पुलिस कर्मियों के साथ अरेबियन स्पा सेंटर मसाज पार्लर पर छापा मारा. इस दौरान सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ. जहां से पुलिस ने 3 लड़कियां के साथ सेंटर चलाने वाले प्रशांत सिंह और उसके साथी उदित को गिरफ्तार किया है. साथ ही आपत्तिजनक चीजें भी बरामद किया है.

बता दें कि, पुलिस ने इससे पहले 12 अक्टूबर को कानपुर के कर्नलगंज इलाके में पुलिस ने स्वर्ण स्पा सेंटर में छापा मारा था. इसमें 3 लड़कियों के साथ 2 लड़के राहुल और प्रदुम्न सिंह को गिरफ्तार किया था. इस स्पा सेंटर का मालिक मारकंडे और उसका साथी जितेंद्र फरार हो गए थे.

पुलिस ने उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है. खास बात ये है कि यहां से पकड़ी गई लड़कियों में 2 मणिपुर की रहने वाली थीं. इससे पता चलता है कि कानपुर में स्पा सेंटर के नाम पर दूसरे राज्य की लड़कियों को लाकर सेक्स रैकेट चलाए जा रहे हैं. पुलिस को स्पा सेंटरों में छापे के दौरान कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं.

एसीपी कल्याणपुर दिनेश शुक्ला का कहना है कि आज सूचना मिली थी कि स्पा सेंटर के नाम पर सेक्स रैकेट की सूचना मिली थी. इस पर छापा मारा गया. पुलिस की कार्रवाई के दौरान महिला सिपाही भी थीं. स्पा सेंटर से 3 लड़कियां और 2 लड़कों को गिरफ्तार किया गया है. जहां से कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं. आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है.

पंचतत्व में विलीन हुए जादूगर ओपी शर्मा (सीनियर),नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई, सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी जताया शोक

कानपुर, 16 अक्टूबर 2022। मशहूर जादूगर ओपी शर्मा (सीनियर) का शनिवार देर रात निधन हो गया। उन्होंने कानपुर के फार्च्यून अस्पताल में 71 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली. जादूगर ओपी शर्मा (सीनियर) का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। कानपुर के भैरोघाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स से मिल रही जानकारी के मुताबिक, जादूगर ओपी शर्मा (सीनियर) कोरोना संक्रमित थे, और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। कानपुर के फार्च्यून अस्पताल में उनका डायलिसिस भी चल रहा था। ओपी शर्मा (सीनियर) ने अपनी जादू की कला से देश-विदेश में बड़ा नाम कमाया। उन्होंने करीब 40 हजार शो किए। वह कहते थे-मैं रहूं या न रहूं जादू चलता रहेगा।

ओपी शर्मा ने राजनीति में भी किस्मत आजमाई, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। उनका कहना था कि जिसकी शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। ये प्रकृति का नियम है। शर्मा मूल रूप से बलिया के रहने वाले थे। उन्होंने कानपुर में अपने घर नाम भूत बंगला रखा था। ओपी शर्मा के निधन पर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है।

मासूम बेटी को मार डाला,पिता को इस कारण आया गुस्सा,मचा कोहराम

» **दरअसल युवक और उसकी पत्नी का किसी बात पर लड़ाई हो गई जिसके बाद युवक पत्नी को पीटने लगा।**

कौशांबी, 16 अक्टूबर 2022। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक शख्स ने अपनी मासूम बेटी को पटक-पटक कर जान से मारने का मामला सामने आया है। दरअसल युवक और उसकी पत्नी का किसी बात पर लड़ाई हो गई जिसके बाद युवक पत्नी को पीटने लगा। मां की पिटाई देखकर मासूम रोने लगी। बच्ची को रोते देख युवक ने आपा खो दिया और चबूतरे पर तीन बार पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ये मामला कोखराज थाना क्षेत्र के कशिया पश्चिम का है। शुक्रवार को इंदर सरोज की रात पत्नी मंता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद गुस्से में वह पत्नी को पिटने लगा। ये देख भाभी सविता ने बीच-बचाव करके मामला शांत कराया। शनिवार सुबह इंदर सरोज ने फिर से झगड़ा शुरू हो गया इसके बाद भाभी सविता को पीट दिया। जिसके बाद नाराज होकर सविता थाने चली गई। इसके बाद वह पत्नी मंसा को पीटने लगा।

पिता अमृत लाल बीच बचाव करने गए तो इंदर उन पर भी बरस पड़ा और पिटाई कर दी। वहीं दरवाजे पर खेल रही डेढ़ साल की बेटी श्रृष्टि ने मां और दादाजी को घायल देख रोने लगी। ये देखते ही इंदर अपना आपा खो बैठा और मासूम बेटी को घर के बाहर बने चबूतरे पर तीन बार पटक दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मजा हुआ किरकिरा! बीयर पीने वालों को बड़ा झटका

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2022। गोवा में अब बीयर पीने के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे. राज्य सरकार ने बीयर पर लगने वाले एक्साइज ड्यूटी में 10-12 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया है. सरकार के इस कदम से राज्य में बीयर के रेट बढ़ सकते हैं. सरकार के इस फैसले के बाद कहा जा रहा है कि राज्य में बीयर 15 रुपये से लेकर 30 रुपये तक महंगी हो सकती है. लाइट बीयर के लिए 15 रुपये और प्रीमियम बीयर के लिए 30 रुपये से अधिक चुकाने पड़ सकते हैं.

गोवा लिकर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दत्ताप्रसाद नाइक ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि हल्की बीयर की कीमतों में 15 रुपये बोतल की बढ़ोतरी होगी. वहीं, स्ट्रॉन्ग बीयर के लिए ग्राहक को 20-25 रुपये अधिक देने पड़ सकते हैं. वहीं, प्रीमियम बीयर की कीमतों में 30 रुपये प्रति बोतल का इजाफा हो सकता है. उन्होंने यह भी कहा कि गोवा में बीयर के ज्यादातर ग्राहक स्थानीय निवासी हैं. गोवा आने वाले पर्यटक भारतीय निर्मित विदेशी शराब (ढ्ढरूस्न) पीना पसंद करते हैं.

गोवा को हमेशा देश के अन्य राज्यों के मुकाबले शराब की सस्ती कीमतों के लिए जाना जाता है. खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक की तुलना में गोवा में शराब सस्ती कीमतों पर मिलती है. गोवा घूमने जाने वाले लोग अक्सर वहां सस्ती बीयर पीना पसंद करते हैं. बीयर की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पर्यटकों को गोवा में बीयर पीने के लिए अधिक पैसे देने पड़ेंगे. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में गोवा में शराब की बिक्री में 30-40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई.

एंट्री लेवल बीयर पर उत्पाद शुल्क अब 30 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 42 रुपये कर दिया गया है. प्रीमियम सेगमेंट में पांच फीसदी से अधिक अल्कोहल की मात्रा वाली स्ट्रॉन्ग बीयर और जहां खुदरा मूल्य 160 रुपये प्रति बोतल से अधिक है. वहां, 60 रुपये प्रति लीटर का शुल्क लगाया गया है. जबकि पहले यह 50 रुपये प्रति लीटर था.

इस त्योहारी सीजन में शराब कंपनियां अपनी बिक्री को बढ़ाने की कोशिश में जुटी हैं. उन्होंने शराब की सप्लाई बढ़ाने का लक्ष्य रखा है. कोरोना महामारी की वजह से पिछले दो साल त्योहारी सीजन में शराब की बिक्री में गिरावट देखने को मिली थी.

शराब बनाने वाली कंपनियां इस साल फेस्टिव सीजन में कमाई का मौका नहीं गंवाना चाहती हैं. उन्हें उम्मीद है कि इस सीजन जमकर बिक्री होगी. भारत में अक्टूबर से जनवरी के बीच का समय शराब और बेवरेज कंपनियों के कारोबार के लिए मुफीद माना जाता है.

सेक्स रैकेट मामले में 8 युवक-युवतियां गिरफ्तार,पुलिस ने होटल में मारा छापा

सागर, 16 अक्टूबर 2022। सागर में सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सागर के चार होटलों में छापा मारा। इन होटलों में 8 युवक-युवतियां तन की संतुष्टि में लगे हुए मिले। इसके बाद पुलिस ने सभी युवक-युवतियों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। साथ ही इन होटलों के संचालकों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी के खिलाफ देह व्यापार के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल त्योहारों को देखते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने सागर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

आसामाजिक तत्वों की पहचान के लिए पुलिस ने रविवार को राजाखेड़ी बड़तूमा मकरोनिया स्टेशन गौर नगर मकरोनिया थाना अंतर्गत 3 होटलों पर छापा मारा। पुलिस ने सागर-नरसिंहपुर रोड स्थित प्रिंस होटल, पंचवटी होटल, आर्यन होटल और प्रिंस होटल में छापा मारा। इन होटलों में संदिग्ध हालत में चार-चार युवक और युवतियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। साथ ही होटल संचालकों को भी गिरफ्तार किया। सभी पर र देह व्यापार के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय

बेमौसम की बारिश

वैज्ञानिक दशकों से चेतावनी दे रहे हैं कि सरकारों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने रणनीति नहीं बनाई, तो ये समस्याएं बढ़ती जाएंगी। मगर आज भी ये चेतावनी राष्ट्रीय चिंता और चर्चा का हिस्सा नहीं है।

फिलहाल खबरें उत्तर प्रदेश से आई हैं कि बीते एक हफ्ते में हुई असामान्य बारिश से वहां फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि जुलाई- अगस्त में जब बारिश की जरूरत थी, तब बहुत कम या बिल्कुल ही बारिश नहीं हुई। इससे खास कर धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा। अब जबकि बारिश की जरूरत नहीं थी, तो इतनी बारिश हुई है कि कई जगहों पर फसलें डूब गई हैं या बारिश के कारण उन्हें काफी नुकसान पहुंचा है। इस तरह उस समय जबकि महंगाई सहित अन्य आर्थिक समस्याओं की मार वे पहले से झेल रहे हैं, उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। यानी एक तरह से उनके साथ मुसीबत में आटा गीला होने की कहावत दोहराई गई है। बहरहाल, गौर करने की बात यह है कि बेतरतीब मौसम की यह कोई पहली घटना नहीं है। बल्कि पिछले कुछ महीनों के दौरान ही भारत में और आसपास जलवायु की ऐसी मार पड़ी है। अभी ज्यादा वक्त नहीं गुजरा, जब बेंगलोर शहर परेशान हुआ था। वहां असामान्य बारिश और उससे जल-जमाव का ऐसा नजारा देखने को मिला कि भारत की 'सिलिकॉन वैली' की इमेज धुंधली हुई।

इसके पहले पाकिस्तान में जो अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ से तबाही हुई, वह तो अब भी दुनिया की चिंता बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों ने उचित ही इन परिघटनाओं को जलवायु परिवर्तन का परिणाम बताया है। सरकारों का बेशक यह फर्ज है कि मौसम की मार झेल रही आबादी को राहत देने के प्रयास वे करें। मगर ऐसे प्रयासों से हर वर्ष ज्यादा गंभीर हो रही जलवायु परिवर्तन की समस्या का कोई समाधान नहीं निकलेगा। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि चिंता और चर्चाओं में यह पहलू गायब रहता है। अगर कभी इसका जिक्र होता भी है, तो लाचारी जताने के लिए ऐसे किया जाता है। जबकि वैज्ञानिक कम से कम तीन दशकों से चेतावनी दे रहे हैं कि अगर सरकारों ने जलवायु परिवर्तन रोकने और परिवर्तन के परिणामों का मुकाबला करने की कारगर रणनीति नहीं बनाई, तो ये समस्याएं बढ़ती जाएंगी। मगर आज भी अगर ये चेतावनी राष्ट्रीय चिंता और चर्चा का हिस्सा नहीं है, तो इसे हमारी आत्मघाती प्रवृत्ति के अलावा और क्या कहा जा सकता है?

भारत विरोधी हंगर इंडेक्स और विदेशी मीडिया

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर, राजस्थान

भारत के चौतरफा विकास को कुछ विदेशी संस्थान और मीडिया घराने पचा नहीं पा रहे हैं, लेकिन भारत न तो किसी से डरेगा और ना ही दबेगा। भारत को अब कोई नहीं रोक सकता। न ग्लोबल हंगर इंडेक्स और ना ही विदेशी मीडिया।

हर साल की तरह इस साल भी ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी कर दिया गया है और हर बार की तरह इस बार भी भारत को बहुत नीचे दिखाया गया है। भारत को लगातार नीचे दिखाना कोई नई बात नहीं हैं। चाहे ग्लोबल हंगर इंडेक्स जैसी विदेशी रिपोर्ट हो, चाहे इसे जारी करने वाले विदेशी संस्थान हों और चाहे विदेशी मीडिया हो। ये सभी हर बात में भारत को नीचे दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। असल में विदेशी मीडिया भारत के विपक्ष की तरह काम करता है। जब से भारत में मोदी सरकार आई है, तब से विदेशी मीडिया और संस्थान बौखला गए हैं। ये मोदी सरकार को नीचा दिखाने के लगातार प्रयास करते रहते हैं। इनका बस एक ही मकसद है कि कैसे भारत की छवि को बिगाड़ा जाए। हालांकि इनको किसी भी तरह से सफलता नहीं मिलने वाली। जब मोदी सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया था, तब भी इन्होंने बहुत छाती पीटी थी। हालांकि ये भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाए थे।

अब बात करते हैं ग्लोबल हंगर इंडेक्स की। साल 2000 से ग्लोबल हंगर इंडेक्स लगातार जारी हो रहा है। इसे निकालने का मकसद दुनियाभर के सभी देशों को साल 2030 तक जीरो हंगर के लक्ष्य को हासिल कराना है। यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा बनाए गए सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स में से एक है। हालांकि साल 2030 तक इस लक्ष्य को पाना बहुत मुश्किल काम दिखाई देता है। इस इंडेक्स में भारत को पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे दिखाया गया है। पाकिस्तान और नेपाल ऐसे दो देश हैं, जो भारत के पड़ोसी देश हैं और हर आपदा में भारत से मदद मांगते हैं। भारत समय-समय पर इनकी मदद करता भी रहा है। हाल ही में दोनों देशों की भारत ने मदद की भी है। यही स्थिति भारत की श्रीलंका के साथ भी है। उसकी भी भारत समय-समय पर मदद करता ही रहता है।

इस बार के ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत को पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे दिखाया गया है। इस बात से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस इंडेक्स को बनाने का तरीका क्या होगा और कौन लोग इस तरह की रिपोर्ट बनाने का काम कर रहे हैं। असल में इस तरह की रिपोर्ट जारी करने वाले संगठनों में भारत विरोधी, खासकर मोदी विरोधी लोगों का जमावड़ा है। मोदी सरकार आने के बाद भारत की सफलता को ये लोग पचा नहीं पा रहे हैं। यही हाल विदेशी मीडिया का है। वह भी भारत विरोधी, खासकर मोदी विरोधी पत्रकारिता करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। असल में यह पत्रकारिता से ज्यादा दुष्प्रचार है, जिसे अब भारत सहित पूरी दुनिया जान गई है। ये लोग भारत की कमियों की बात तो करते हैं, लेकिन भारत के प्रयासों को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि किसी भी रिपोर्ट में प्रयासों पर बात करना भी जरूरी होता है। उदाहरण के लिए गरीबी और बाल विवाह पर आधारित विदेशी रिपोर्टों को देखा जा सकता है।

बहुत कम लोग इस बात को जानते होंगे कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में ज्यादा आय वाले देशों को शामिल नहीं किया जाता। वहीं इसका भूख को मापने का तरीका भी सही नहीं है। शरीर में भूख को मापने का तरीका कैलोरी होता है, जबकि हंगर इंडेक्स माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी जैसे कारकों को भी शामिल कर लेता है। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी ज्यादातर पोषण के स्तर को मापने के काम में आती है। हंगर इंडेक्स चार पैमानों पर बनता है, अल्पपोषण, चाइल्ड वेस्टिंग, चाइल्ड स्टंटिंग और चाइल्ड मोर्टालिटी। इन तरीकों से हंगर इंडेक्स बनाया जा रहा है, जो कभी भी सही तरह के आंकड़े सामने लाने में सहायक नहीं हो सकते। एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि बच्चों की मौत का हर बार कारण भूख नहीं हो सकता। अधिकतर मौतें बीमारियों के कारण भी हो सकती हैं, इसलिए हमें इंडेक्स के काम करने के गलत तरीकों पर भी चर्चा करनी चाहिए।

साल 2022 के लिए जारी ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत को 29.1 स्कोर मिला है यानी यह सीरियस कैटेगरी में आता है। वहीं नेपाल को 81, पाकिस्तान को 99, श्रीलंका को 64 और बांग्लादेश को 84 अंक मिले हैं। साल 2000 में भारत का यह स्कोर 38.8 था, जो साल 2014 में घटकर 28.2 हो गया था। उसके बाद से लगातार भारत का हंगर इंडेक्स स्कोर बढ़ता जा रहा है। आप इस बात पर गौर कीजिए कि भारत का स्कोर साल 2014 से ही गिर रहा है, इसी साल देश में मोदी सरकार आई थी यानी नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। आपको यह भी याद होना चाहिए कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए अमेरिका ने मोदी को वीजा देने से मना कर दिया था। असल में यह सारा खेल भारत और मोदी विरोध का है। भारत के चौतरफा विकास को कुछ विदेशी संस्थान और मीडिया घराने पचा नहीं पा रहे हैं, लेकिन भारत न तो किसी से डरेगा और ना ही दबेगा। भारत को अब कोई नहीं रोक सकता। न कोई ग्लोबल हंगर इंडेक्स और ना ही कोई विदेशी मीडिया।

शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम हिंदी में चिकित्सा पाठ्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने एक ट्वीट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संबंध में लिखा था राष्ट्रीय शिक्षा नीति से प्रेरणा लेते हुये अब सभी तकनीकी शिक्षा के विषयों को मातृभाषा में पढ़ाने की कोशिश की जायेगी, इंजीनियरिंग व चिकित्सा सहित और अब मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार व ऐतिहासिक पहल कर एमबीबीएस हिंदी माध्यम में आरंभ करने वाला देश का पहला राज्य होने जा रहा है। स्वाभाविक है इस शैक्षणिक अनुष्ठान में शासन की मंशा, योग्य शिक्षाविदों का परिश्रम व प्रधानमंत्री जी का स्वप्न साकार होने जा रहा है तो इस अभूतपूर्व पहल पर देश ही नहीं वैश्विक परिदृश्य में स्वागत के साथ-साथ गंभीर चिंतन अवश्य होगा।

भारतीय शिक्षा पद्धति के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्रणाली में मातृभाषा व भारतीय भाषाओं को वह महत्व नहीं मिला या दिया गया जिसकी वह वास्तविक पात्र हैं। सामान्यतः सीखने व सिखाने की यह प्रक्रिया एक विदेशी भाषा के ही अधीन रही है। किंतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 के आगमन ने एक बड़े बदलाव का शुभारंभ किया है।

वर्तमान समय जो कि स्वतंत्रता का अमृतकाल है और राष्ट्र अपने सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक व आध्यात्मिक पुनर्जागरण के मानकों को स्थापित होते देख रहा है, ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि हम उच्च शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग पर ध्यान दें। मातृभाषा में शिक्षा की बात लार्ड मैकाले के समय से ही होती रही है। स्वतंत्र भारत में भी यह मांग समय-समय पर होती रही जैसे 1948-49 में राधाकृष्णन समिति की रिपोर्ट, जिसे हम विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग के नाम से जानते हैं, उस रिपोर्ट में भी अनुशंसा की गई थी कि शिक्षा के माध्यम के रूप में जितनी जल्दी हो सके अंग्रेजी को भारतीय भाषा से बदल दिया जाए। इसके बाद राजभाषा आयोग, भावनात्मक एकीकरण समिति, एनईपी 1968, एनईपी (1986/1992) और अब एनईपी 2020 में पुरजोर तरीके से मातृभाषा व क्षेत्रीय भाषाओं में ही शिक्षा को प्राथमिकता व प्रधानता देने की बात कही गई है।

वर्तमान शिक्षा नीति अनुशंसा करती है कि उच्च शिक्षा संस्थानों को शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा का उपयोग करना चाहिए अथवा द्विभाषी पाठ्यक्रम चलाने चाहिए। जिससे यह अधिकतम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने में सहायक होगा, और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि करेगा। इससे सभी भारतीय भाषाओं की सामर्थ्य, उपयोगिता व जीवंतता बनी रहेगी। जब यह बात राष्ट्रीय स्तर से आरंभ होगी तो निश्चित रूप से निजी संस्थान भी भारतीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में उपयोग करने अथवा द्विभाषी पाठ्यक्रमों को लागू करने के लिये प्रेरित होंगे। यह अभिनव प्रयोग सुनिश्चित करेगा कि शासकीय व निजी संस्थानों में कोई अंतर नहीं है।

शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, चार वर्षीय बैचलर ऑफ एजुकेशन दोहरी डिग्री भी द्विभाषी होगी। इससे सभी विषयों के शिक्षकों के संवर्गों के प्रशिक्षण में आसानी होगी। विज्ञान और गणित के शिक्षक भी शिक्षण के लिए द्विभाषी दृष्टिकोण अपनाएंगे।

अनुशंसाओं को अनुपालन में लाने के लिए पाठ्यपुस्तकों, कार्यपुस्तिकाओं, वीडियो, नाटकों, कविताओं, उपन्यासों और पत्रिकाओं सहित भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण और प्रिंट सामग्री विकसित की जाए। इसे अनुवाद और व्याख्या में गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम बनाकर संभव किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में इसी उद्देश्य को लेकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुये प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के अंतर्गत एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री व फिजियोलॉजी विषय की हिंदी में पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिनका विमोचन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी करने वाले हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो प्रधानमंत्री जी के संकल्प कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिये को साकार करते हुए इस अवधारणा को दूर करेगी कि उच्च शिक्षा केवल अंग्रेजी में ही संभव है।

आइये, हम सभी चिकित्सा शिक्षा के इस अभूतपूर्व व ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनें और गर्व का अनुभव करें कि हमारा प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां इंजीनियरिंग के साथ ही अब मेडिकल शिक्षा का आरंभ भी मातृभाषा में हो रहा है।

-हितानंद शर्मा-

अहोई अष्टमीः संतान की सलामती का व्रत

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

भारतीय समाज में प्रत्येक त्यौहार का अपना एक विशेष महत्व है। ऐसे प्रत्येक अवसर पर की जाने वाली पूजा तथा व्रत में कोई न कोई विशेष उद्देश्य निहित होता है। कार्तिक कृष्ण पक्ष में तो वैसे भी तिथि-त्यौहारों की भरमार रहती है। जिस प्रकार सम्पूर्ण भारत में पति की दीर्घायु की कामना के लिए 'करवा चौथ' व्रत मनाया जाता है, ठीक उसी प्रकार करवा चौथ के चार दिन पश्चात् संतान की सुख-समृद्धि तथा लंबी आयु की कामना के लिए 'अहोई अष्टमी' व्रत रखा जाता है। अहोई अष्टमी के दिन माता पार्वती की पूजा का विधान है। दरअसल माता पार्वती संतान की रक्षा करने वाली देवी मानी गई हैं। पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत के प्रताप से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत के प्रताप से बच्चों की रक्षा होती है, वहीं इसे संतान प्राप्ति के लिए भी सर्वोत्तम माना गया है। अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से संतान फल की प्राप्ति होती है और जो महिलाएं पूरे विधि-विधान से यह व्रत रखती हैं, उनके बच्चे दीर्घायु होते हैं। जिन महिलाओं की संतान का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता हो, बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हों, ऐसे बच्चों के स्वास्थ्य लाभ तथा दीर्घायु प्राप्ति के लिए अहोई अष्टमी व्रत किया जाता है। हालांकि इस व्रत के संबंध में यह नियम भी माना जाता है कि एक साल यह व्रत करने के बाद यह व्रत आजीवन नहीं टूटना चाहिए अर्थात् प्रतिवर्ष किया जाना चाहिए।

अहोई का अर्थ है, 'जो अनहोनी से बचाए' और इसे 'अहोई अष्टमी' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि किसी भी अमंगल या अनिष्ट से अपने बच्चों की रक्षा के लिए महिलाओं द्वारा किया जाने वाला यह व्रत कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष अष्टमी को मनाया जाता है। चूंकि यह व्रत अष्टमी के दिन पड़ता है, इसीलिए इसे 'अहोई आठें' भी कहा जाता है। विशेषकर उत्तर भारत में इस व्रत का विशेष महत्व है। करवा चौथ की ही भांति महिलाएं इस दिन भी कठोर व्रत रखती हैं और दिनभर पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करती। अंतर केवल इतना है कि करवा चौथ व्रत में जहां महिलाएं चन्द्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोलती हैं, वहीं अहोई अष्टमी व्रत तारे निकलने के बाद सायंकाल में तारों को अर्ध्य देकर खोला जाता है। चूंकि इस दौरान चंद्रोदय बहुत देर से होता है, इसीलिए तारों को ही अर्ध्य देकर व्रत खोलने की परम्परा चली आ रही है। हालांकि कुछ महिलाएं चंद्रोदय तक इंतजार करती हैं और चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही व्रत खोलती हैं।

इस दिन महिलाएं चांदी की अहोई बनाकर उसकी पूजा करती हैं, जिसमें चांदी के मनके डाले जाते हैं और प्रतिवर्ष इस व्रत में इन मनकों की एक-एक संख्या बढ़ाती जाती हैं। पूजन के पश्चात् महिलाएं इसी माला को गले में पहनती हैं। अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं गोबर से अथवा गेरु आदि के द्वारा दीवार पर अहोई की आकृति बनाती हैं या फिर किसी मोटे वस्त्र पर चित्रांकन के द्वारा आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाकर दीवार पर टांग दिया जाता है। अहोई के चित्रांकन में अधिकांशतः आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है और उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। सायंकाल के समय इसकी पूजा की जाती है। पूजा के दौरान महिलाएं प्रायः 'अहोई जिए, अहोआ जिए, मुशा जिए, पूता जिए'' शब्दों का उच्चारण करती हैं। आजकल बाजार में अहोई के रंगीन चित्र भी मिलने लगे हैं, बहुत सी महिलाएं इन्हीं को दीवार पर चिपकाकर पूजा करने लगी हैं। संध्या के समय सूर्यास्त होने के बाद जब तारे निकलने लगते हैं तो अहोई माता की पूजा आरंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को साफ करके, पूजा का चौक पूरकर एक लोटे में जल भरकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख दिया जाता है और व्रत रखने वाली महिलाएं श्रद्धा भाव से अहोई अष्टमी के व्रत की कथा सुनते हुए अपने बाल-बच्चों के कल्याण की कामना के साथ भक्ति भाव से पूजा करती हैं। कहा जाता है कि इसी दिन से दीपावली के उत्सव का आरंभ हो जाता है।

अहोई अष्टमी का व्रत मनाए जाने के संबंध में कुछ दंतकथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नामक एक व्यक्ति रहता था, जिसकी बहुत सी संतानें थीं लेकिन दुर्भाग्यवश उसकी सभी संतानें अल्पायु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगी। अपने बच्चों की इस प्रकार अकाल मृत्यु से पति-पत्नी बहुत दुखी रहने लगे। उसके बाद काफी लंबे समय तक उनके कोई संतान न होने से उदास होकर पति-पत्नी अपनी सारी धन दौलत का त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर गए। बद्रिकाश्रम के निकट स्थित जलकुंड के पास पहुंचकर वे उसी स्थान पर अपने प्राण त्यागने का निश्चय करके अन्न-जल का त्याग कर वहीं उपवास पर बैठ गए। एक-एक कर इसी प्रकार छह दिन बीत गए और तब एकाएक आकाशवाणी हुई, ''हे साहूकार! तुम्हें यह दुःख तुम्हारे पूर्व जन्म के पापों के कारण मिल रहा है। इन पापों के प्रभाव से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन कर अहोई माता की पूजा-अर्चना करनी होगी, जिससे प्रसन्न हो अहोई माता ही तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घायु का वरदान भी देंगी।'' आकाशवाणी सुन पति-पत्नी ने पूरे विधि-विधान से अहोई अष्टमी का व्रत किया और अहोई माता से अपने पूर्व जन्म के पापों की क्षमा याचना की, जिससे प्रसन्न होकर अहोई माता ने उन्हें संतान प्राप्ति और उसकी दीर्घायु का वरदान दिया। मान्यता है कि तभी से अहोई अष्टमी व्रत मनाए जाने की परम्परा प्रचलित हो गई।

आरएसएस की पहल कितनी सार्थक ?

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ कुछ ऐतिहासिक गलतियों को सुधार रहा है, अपने बारे में बनी ऐतिहासिक धारणाओं को बदलने का प्रयास कर रहा है या कोई ऐतिहासिक भूल कर रहा है? पिछले कुछ दिनों में सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में कुछ ऐसा घटित हुआ है, जिससे ये सवाल उठे हैं। सबसे पहले आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत देश के पांच मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मिले, जिसमें आपसी गिले-शिकवे हुए और उन्हें दूर करने के प्रयास की सहमति बनी। इसके बाद संघ प्रमुख अपने कई पदाधिकारियों के साथ देश भर के इमामों के संगठन के प्रमुख मौलाना उमर इलियासी से मिलने एक मस्जिद में गए। उसके बाद विजयादशमी की सालाना रैली में पर्वतारोही संतोष यादव को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया। फिर संघ प्रमुख ने जाति और वर्ण को समाप्त करने का बयान दिया और जब दिल्ली में हजारों हिंदुओं के बौद्ध धर्म स्वीकार करने का विवाद हुआ तो उसके तुरंत बाद महर्षि वाल्मिकी जयंती के मौके पर मोहन भागवत ने कहा कि उनका संगठन यानी आरएसएस हर उस व्यक्ति का पूरा समर्थन करेगा, जो महर्षि वाल्मिकी की पूजा करता है क्योंकि उनके बगैर दुनिया भगवान राम को नहीं जान पाती।

ये सारी घटनाएं पिछले एक-डेढ़ महीने में हुई हैं और इनमें एक तारतम्य दिखाई दे रहा है। यह संभव नहीं है कि ऐसा घटनाक्रम बिना किसी योजना के हुआ हो। संघ प्रमुख का मुसलमानों के प्रति सद्भाव दिखाना। पिछड़ी जाति की एक महिला को संघ के सालाना जलसे में बुलाना। जाति व वर्ण का भेद खत्म करना और दलित समाज के लोगों को समर्थन का मैसेज देना अनायास नहीं है। यह सब सोची समझी योजना के तहत हुआ है। संघ के विचारक माने जाने वाले राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने अंग्रेजी के अखबार 'इंडियन एक्सप्रेस' में लेख लिख कर मुसलमानों के प्रति सद्भाव दिखाने के संघ प्रमुख की पहल के बौद्धिक व सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा कि आरएसएस का लक्ष्य भारत के सभ्यतागत गौरव को पुनर्स्थापित करना है। राकेश सिन्हा ने लिखा- भागवत ने दो लक्ष्य हासिल करने के लिए संवाद की जरूरत को रेखांकित किया। प्राथमिक लक्ष्य साजिश के सिद्धांत पर आधारित इस अवधारणा को बदलने का है कि आरएसएस अल्पसंख्यकों के लिए खतरा है। इसके लिए सम्भ्रांत लोगों के साथ संवाद जरूरी है। इसके पीछे दूसरा लक्ष्य यह आता है कि आम लोगों के बीच राष्ट्रवाद और हिंदू सभ्यता के बारे में सांस्कृतिक विमर्श हो।

अब सवाल है कि धर्म को लेकर, वर्ण को लेकर और जाति को लेकर के संघ प्रमुख ने जो विमर्श छेड़ा है और इस विमर्श का जो लक्ष्य बताया जा रहा है उसे हासिल करने में कितनी कामयाबी मिलेगी? ध्यान रहे इससे पहले भी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत इस तरह के छिटपुट प्रयास कर चुके हैं और उस प्रयास से हासिल कुछ नहीं हुआ, उलटे विमर्श ऐसी दिशा में बढ़ गया, जिसका बड़ा नुकसान भारतीय जनता पार्टी को उठाना पड़ा। मोहन भागवत ने 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरक्षण की समीक्षा का बयान दिया था। उस समय मंडल की राजनीति के दो नेता नीतीश कुमार और लालू प्रसाद एक साथ मिल कर चुनाव लड़ रहे थे। दोनों नेताओं ने आरक्षण की समीक्षा के उनके बयान को आरक्षण समाप्त करने के प्रयास के तौर पर प्रचारित किया। इससे बिहार में अगड़ा बनाम पिछड़ा का चुनावी माहौल बनाने में कामयाबी मिली। हो सकता है कि इसके बगैर भी भाजपा चुनाव नहीं जीत पाती लेकिन आरक्षण से जुड़े बयान ने उसकी हार का रास्ता आसान कर दिया।

कहते हैं कि दूध का जला छांछ भी फूंक कर पीता है। संघ प्रमुख को निश्चित रूप से यह कहावत पता होगी फिर भी सात साल बाद उन्होंने धर्म के साथ साथ जाति का विमर्श शुरू किया है। इस पर शुरुआती प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं है। संघ, भाजपा के काडर में ही इसे अच्छा नहीं माना जा रहा है। तभी एक तरफ संघ प्रमुख मुसलमानों के प्रति सद्भाव दिखा कर ऐतिहासिक धारणा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा के सांसद खुलेआम मुसलमानों के संपूर्ण बहिष्कार की अपील कर रहे हैं। एक तरफ संघ प्रमुख कह रहे हैं कि हिंदुओं को हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं तलाशना चाहिए और दूसरी ओर उसी अनुपात में मस्जिदों में शिवलिंग की तलाश तेज हो रही है, अदालतों में याचिकाएं डाली जा रही हैं। खुद संघ प्रमुख अल्पसंख्यकों की ओर इशारा करके आबादी के असंतुलन का सवाल उठा रहे हैं और जनसंख्या नियंत्रण की बात कर रहे हैं। तभी सवाल है कि ऐसे में भरोसा कैसे बढ़ेगा? यह सही है कि संघ प्रमुख की हैसियत वेटिकन के पोप की तरह नहीं है कि उनकी कही बात हिंदू समाज के लिए पत्थर की लकीर है। लेकिन कम से कम उन लोगों के लिए तो उनकी बात पत्थर की लकीर होनी चाहिए, जो संघ की राजनीतिक शाखा भारतीय जनता पार्टी या अन्य हिंदू संगठनों से जुड़े हैं? अगर वे भी संघ प्रमुख की बातों के उलट आचरण करते हैं तो फिर अल्पसंख्यक समाज का भरोसा कैसे बढ़ेगा? एक तरफ अल्पसंख्यक समाज का भरोसा नहीं बन रहा है तो दूसरी ओर 80 और 20 की राजनीति के समय में अल्पसंख्यकों की बात व्यापक हिंदू समाज के गले नहीं उतर रही है।

वर्ण, जाति और लिंगभेद को लेकर दिए गए संघ प्रमुख के बयानों या उनकी ओर से की गई पहलों का भी वहीं हाल है, जो धार्मिक विमर्श का है। उन्होंने कहा कि वर्ण और जाति पुरानी अवधारणा हो गए हैं और इनको बदला जाना चाहिए। इससे ठीक पहले विजयादशमी के भाषण में उन्होंने बेरोजगारी के मसले पर एक तरह से केंद्र सरकार का बचाव करते हुए कहा कि कोई भी सरकार या निजी सेक्टर 10, 20 या 30 फीसदी से ज्यादा लोगों को नौकरी नहीं दे सकता है। बाकी लोगों को खुद ही काम करना होता है। उनके इस बयान को वर्ण और जाति वाले बयान से मिला कर देखें तो ऐसा लग रहा है कि फिर से आरक्षण की एफर्मेटिव व्यवस्था की समीक्षा या उसे बदलने की बात हो रही है। भारत में आरक्षण का आधार जाति है और अगर जाति व्यवस्था खत्म होती है तो आरक्षण अपने आप खत्म होगा। हालांकि भारत में न तो जाति खत्म होने वाली है और न जाति आधारित आरक्षण की व्यवस्था खत्म होगी। तभी कह सकते हैं कि संघ प्रमुख का बयान दोधारी तलवार की तरह है, जिसका फिर भाजपा को नुकसान हो सकता है।

अगर भाजपा के सामाजिक आधार को बारीकी से देखें तो साफ दिखता है कि सवर्ण समाज के अलावा दलित और आदिवासी मुख्य रूप से उसके समर्थक हैं, जिसमें पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर पिछड़ी जातियों को जोड़ने का प्रयास हो रहा है। अगर जाति व्यवस्था खत्म करने की बात पर आरक्षण की बहस आगे बढ़ती है तो भाजपा के प्रयासों को झटका लग सकता है। इसी तरह दलित विमर्श भी राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मसला है। इसमें भी पहली बात भरोसे की हैं। संघ में कहां हैं पिछड़ी जाति के लोग या दलित समाज के लोग या महिलाएं? जब उनकी भागीदारी बढ़ाने की बात है तो शुरुआत क्यों नहीं संघ से की जाती है? यह सही है कि संघ और उससे जुड़े संगठनों की जमीनी गतिविधियों से कई पिछड़ी और हाशिए पर की जातियों को नई सामाजिक व राजनीतिक पहचान मिली। भाजपा को इसका फायदा भी मिला। लेकिन जमीनी राजनीति से इतर जाति और वर्ण का विमर्श हिंदुत्व की बुनियादी अवधारणा से खासतौर से संघ और भाजपा के हिंदुत्व की अवधारणा से मेल नहीं खाते हैं। अगर यह विरोधाभास राजनीतिक विमर्श का विषय बनता है तो भाजपा को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

-अजीत द्विवेदी-

भाजपा और आपःदोनों डरपोक

दिल्ली प्रदेश की सरकार के एक मंत्री राजेंद्रपाल गौतम को इसलिए इस्तीफा देना पड़ गया कि उसने आंबेडकर भवन की एक धर्म-परिवर्तन सभा में भाग लिया था। उस सभा में कई हिंदू अनुसूचित लोगों ने बौद्ध धर्म स्वीकार किया था और आंबेडकर ने 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार करते हुए जो प्रतिज्ञा अपने अनुयायियों से करवाई थी, उसे भी वहां दोहराया गया था। उस प्रतीज्ञा में 22 सूत्र थे, जिनमें से पहले पांच सूत्र ऐसे थे, जिनमें ब्रह्म, विष्णु, महेश, राम, कृष्ण, गणेश आदि को भगवान मानने और उनकी पूजा के विरुद्ध संकल्प लिया गया था।

भाजपा के कुछ नेताओं ने इसी बात को भड़काऊ मुद्दा बना दिया और केजरीवाल की 'आप पार्टी' पर हमला बोल दिया। हिंदू वोट कट न जाएं, इस डर के मारे केजरीवाल सरकार के अनुसूचित जाति के उक्त मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। इससे ज्यादा शर्म की बात क्या हो सकती है? यह शर्म की बात भाजपा और 'आप', दोनों के लिए है। भाजपा के लिए इसलिए है कि आजकल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंबेडकर की जितनी माला फेर रहे हैं, उतनी कोई 'आप' नेता नहीं फेर रहा।

यदि उस प्रतिज्ञा से आपको इतनी घृणा है तो देश में भाजपा के लोग देश में आंबेडकर-विरोधी अभियान क्यों नहीं चलाते? आंबेडकर की मूर्तियों पर वे माला क्यों चढ़ाते हैं? आंबेडकर की किताबों पर वे प्रतिबंध क्यों नहीं लगाते? आंबेडकर ही नहीं, देश के अन्य महापुरुषों जैसे महावीर, बुद्ध, महर्षि दयानंद सरस्वती आदि की भी आप भर्त्सना क्यों नहीं करते?

वे भी राम, कृष्ण, ब्रह्मा, विष्णु, महेश वगैरह को भगवान नहीं मानते थे। बुद्ध और महावीर तो सृष्टिकर्त्ता ईश्वर की सत्ता से ही इंकार करते हैं। वे निमित्त कारण का निषेध करते हैं। हमारा चार्वाक संप्रदाय तो इनसे भी आगे जाता है। क्या ये सब हिंदू-द्रोही हैं? क्या ये सब देश के दुश्मन हैं?

यदि ऐसा है तो आप पहले इन अनुसूचित बौद्धों और सिखों को और अब अनुसूचित मुसलमानों और ईसाइयों को क्या सोचकर आरक्षण दे रहे हैं? क्या यह ढोंग नहीं है? भाजपा से भी ज्यादा डरपोक निकली आप पार्टी! उसने अपने मंत्री को इस्तीफा क्यों देने दिया? वह डटी क्यों नहीं?

उसने वैचारिक स्वतंत्रता के लिए युद्ध क्यों नहीं छेड़ा? क्योंकि भाजपा, कांग्रेस और सभी पार्टियों की तरह वह भी वोट की गुलाम है। हमारी पार्टियों को अगर सत्य और वोट में से किसी एक को चुनना हो तो उनकी प्राथमिकता वोट ही रहेगा।

-वेद प्रताप वैदिक-

आम लोगों पर भारी महंगाई और बेरोजगारी

रवींद्र कुमार शर्मा घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

न किसी को परवाह है
न किसी को चिंता है
चरम पर है महंगाई और बेरोजगारी
कुछ कर नहीं सकता है आम आदमी
चेहरे से झलक रही उसके लाचारी
किसी भी कीमत पर सत्ता मिल जाये
कुर्सी पर नज़र है
लोगो की किसको पड़ी है
झूठ परोस रहे हैं सारे फ्री की
रेवड़ियां बंट रही
लोगों के लिए अब
यह सही फैसले की घड़ी है
महंगाई ने निकाला है दम
टमाटर कर रहा है लाल
तेल सूख रहा कड़ाही में गायब हो
रही थाली से दाल
युवा जा रहा नशे की गिरफ्त में कौन
उसको संभाले
बुजुर्ग पड़े हैं घर में अकेले पूछता
नहीं उनका कोई हाल
ऊन तक तो ठीक था अब तो
भेड़ की निकालने लगे हैं खाल
कल तक जिनके पास कुछ नहीं थी
रातों रात हो गए वह मालामाल
ज़मीर खतम हो गया जिनका
वह युवा पीढ़ी को क्या राह दिखाएंगे
ताकत है वोट की जनता के हाथ में
अब तो वही लोकतंत्र को बचाएंगे

जगत में कोई नहीं अब अपना

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

जगत मे कोई नहीं अब अपना
अपना-अपना जिसको है कहा
जिसके बिन नहीं जाता है रहा
निकला वह सब झूठा सपना
जगत मे कोई नहीं अब अपना
स्वार्थ के साथी बोले मीठे बोल
स्वार्थ सिधते ही बोली अनमोल
वो ही रुलाये माना जिसे अपना
जगत मे कोई नहीं अब अपना
पुत्र-पुत्री,भगनी और नर-नारी
आपतकाल मे कीजिये बिचारी
धन दौलत के रहते सब अपना
जगत मे कोई नहीं अब अपना
झूठा है जग झूठी इसकी माया
खिलौना है यह माटी की काया
हाड़-मांस मे प्राण तभी अपना
जगत मे कोई नहीं अब अपना
बेमोल बिकते,ईमान और धरम
मानवता नहीं हैवानियत है धरम
रिश्तेदार मतलब तक ही अपना
जगत मे कोई नहीं अब अपना

भोले मन की बांसुरी

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर मध्यप्रदेश

मेरे मन की बांसुरी भी,
क्या मौन ही रह जाएगी,
भोले आकर फूंक भर दो,
सप्त सुर में गाएगी ।
मेरे मन की बांसुरी .....
ये नहीं बंधन में बंधती,
आती है जब रंग में,
गीत गाती प्रेम के,
बस भोले के ही संग में।
मेरे मन की बांसुरी.....
शहद में डूबे हुए ,
हर शब्द गुंजित हो रहे,
बह रही पावन हवा जो,
उसमें भी मुखरित हो रहे।
मेरे मन की बांसुरी ...
खोलता था जो जुबां पर,
खून तेरे जोश का,
वो तो भोले से ही मिल कर,
मन को गंगा कर गया।
मेरे मन की बांसुरी ....
तेरी एक धुन मैनें सुनकर,
अपना मन बहला लिया,
देख कर भोले छवि को,
मधुर धुन में गा लिया ।
मेरे मन की बांसुरी....
प्रेम की माटी में घुलकर,
भोले भी मुस्काते हैं,
चरण धर कर इस धरा पर,
जन-जन को तर कर जाते हैं।
मेरे मन की बांसुरी ...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

भव्य कलश यात्रा के साथ रविवार को हुआ अधिना में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। ग्राम पंचायत अधिनापुर में राजवाड़े परिवार की ओर से होने जा रही भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा निकाल किया गया ईस कलश शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिला पुरुष बच्चे श्रद्धालु सामिल रहे । स्थानीय तालाब के पवित्र जल को 108 कलश में भरकर माथे पर रख मुख्य यजमान देवीचरण राजवाडे, फुल कुवर राजवाडे, बिहारी लाल राजवाडे राम कुमारी राजवाडे, राम नरायण राजवाडे रूकमणी देवमणी राजवाडे के नेतृत्व में हजारों की संख्या मे श्रद्धालु ढोल नगाड़े शैला नृत्य डिजे के साथ राधे राधे की धुन पर नाचते गाते चल रहे थे ।भव्य कलश यात्रा मे श्रद्धालु ग्राम पंचायत का परिक्रमा करते हुए कथा यज्ञ स्थल पहुचे जहाँ धार्मिक विधि एवं पुजा अर्चना मंत्रोच्चार के साथ भागवत जी को स्थापित की गई । ईस अवसर पर कथा वाचक वृंदावन से पधारे आचार्य श्रीकान्त त्रिपाठी एवं उनकी सुपुत्री पूज्या शीघ्रता त्रिपाठी जी उपस्थित रहे । कथा वाचक श्रीकांत त्रिपाठी जी ने बताया कि कलश यात्रा ईसलिये करते हैं कि ग्राम मे सभी देवी देवता होते हैं उन्हें आह्वान कर बुलाने के लिए कलश यात्रा करते हैं । गांव में नदी तालाब होता है जहाँ धार्मिक कार्य होता है उस जगह पर पुजा अर्चना किया जाता है उस तालाब नदी में देवी देवता स्नान करते हैं ईसलिये वहां का जल सुद्ध मानते हैं, वहां का जल हमलोग लाते हैं वह जल सात दिन तक कलश में रहती है जिसका हम पुजन करते हैं जिसे वरूण पुजन कहते हैं । कलश यात्रा मे 33 कोटी देवी देवता स्वंम कलश में विराजमान होते हैं । जो अपने सिर पर कलश धारण करता है उसकी आत्मा को ईश्वर पवित्र ओर निर्मल करते हुए अपनी शरण में ले लेते हैं । भागवत कथा का श्रवण करने से मनुष्य के जन्म जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते है । भागवत कथा का श्रवण करने पुत्र सुख एवं अच्छा पुत्र की प्राप्ती होता है नि-संतान को संतान की प्राप्ति होती है धन तो है लेकिन अच्छे काम मे नही लग पा रहा है भागवत के माध्यम से धन की सुद्धता होती है जो समाज कल्याण के लिए अच्छे काम पर लगती है। लक्ष्मी का वास हो धन आये ईसलिये भागवत कराना चाहिए ।

सच्चाज्ञान भागवत जी से प्राप्त होती है भागवत जी चार शब्दों में बनी है , भक्ति ज्ञान वैराग्य तप,चारो भागवत जी मे समाये है । भागवत जी से मोक्ष की प्राप्ति होती है । कई लोगों का आकस्मिक मृत्यु हो जाती है उनकी आत्मा प्रेत योनी मे पहुंच जाते है उनको मुक्ति नही मिलती हैं भागवत कथा सुनने से आत्मा को मुक्ती मिल जाती है । ईन्ही सारी बातें को आज की भागवत कथा मे बताई गई । भागवत कथा 16 अक्टूबर से 23अक्टूबर तक चलेगी । आयोजन को लेकर पुरे ग्राम पंचायत मे हर्ष ब्यापत है । पुरा क्षेत्र भक्ति मय हो गया है । लगातार ईन क्षेत्रो में आचार्य श्री कान्त त्रिपाठी जी एवं उनकी सुपुत्री पूज्या शीघ्रता त्रिपाठी जी भागवत कथा करा रही है ।

मिनी गोल्फ में भाईयों ने जीता गोल्ड व सिल्वर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। 22वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता अंतर्गत अंडर 18 मिनी गोल्फ में दो सगे भाईयों ने गोल्ड व सिल्वर मेडल जीत कर मिनी गोल्ड में अपनी प्रतिभा दिखाई है। इनके अलावा एक अन्य खिलााड़ी छात्र को भी इसी खेल में गोल्ड मेडल मिला है। शहर में 22वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शुक्रवार को गांधी स्टेडियम में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों के लिए मिनी गोल्फ प्रतियोगिता रखी गई थी। इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के कई छात्रों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अर्जन सिंह व रणवीर सिंह ने गोल्ड मेडल जीता। इसी प्रतियोगिता में अर्जन सिंह के छोटे भाई निवान सिंह ने भी सिल्वर मेडल जीता । इसके अलावा वुडबॉल प्रतियोगिता में आकांश सोनी ने भी गोल्ड मेडल जीता है ।

बस्ती में पेयजल व सड़क की समस्या से जूझ रहे लोगों ने किया सड़क जाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। मुक्ति धाम के पिछे भुईयां पारा के वासियों एवं तेजस्वी नारी शक्ति समाजिक संगठन द्वारा बस्ती में सड़क एवं पेय जल कि व्यवस्था को लेकर वहां के रह रहे लोगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। वहां के लोगों का कहना है कि हम कई सालों से यहां रह रहे हैं। इस दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि हम सभी लोगों ने इसके लिए कई बार ज्ञापन भी दिया है , कि बस्ती में यदि कोई गर्ववति महिला का प्रसव करवाने के लिए उसे सड़क नहीं होने के कारण उसे खाट मे ढोकर रोड़ तक ले जाना पड़ाता है , और बारिश के समय बच्चे स्कूल जाते समय अपने जूते को सर पे लाद कर चलने को मजबूर हैं और दूसरी ओर पानी के लिए भी वहां के लोगों को बहुत दूर से पानी लाना पड़ता है जिसके लिए वहां के वासियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री महोदय जी, सरगुजा विधायक महोदय जी, कलेक्टर महोदय जी और आयुक्त नगर निगम महोदय जी से यह मांग किया है कि शहर के निगम क्षेत्र होने के बावजूद यहां ÷सड़क÷ एवं ÷पानी÷ कि कोई व्यवस्था नहीं है। इस मांग को जल्द से जल्द पूरा करें जिसके लिए वहां के रह रहे वासी सदा आभारी रहेंगे।। समाजिक कार्यकर्ता -ज्योति चौरसिया,पुजा जी, सुरेश राम बुनकर, एवं निवासी- अंजलि एक्का, इंगिलशा, तारा, अनिता,पुजा, धनेश्वर, शांति,बिसुन, सहदेव, जिया,तेजी, रिता , सिकंदर, जशपुरिन, सशिता, संतोषि, गंगा, आरती, मिना, गुड्डी, किरण,मटकों, कुसुम, सुखमन, पुजा, फिदयुष और उर्मिला जी एवं और लोग उपस्थित रहे।

विवाद में पत्नी ने कुएं में कूदकर दी जान

सदमे में पति ने किया आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। विवाद के बाद पति से नाराज महिला ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली। पत्नी की लाश कुएं में पड़ा ही था की पति इस सदमे को बर्दास्त नहीं कर पाया और कीटनाशक सेवन कर लिया। परिजन ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जतन राम उम्र 61 वर्षा धौरपुर थाना अंतर्गत ग्राम जमोनी का रहने वाला था। शुक्रवार को इसकी पत्नी फुलेश्वरी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गुस्सा में आकर पत्नी घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। शनिवार की दोपहर 3 बजे घर के पास कुएं में उसकी लाश देखी गई। गांव के सरपंच द्वारा घटना की जानकारी धौरपुर पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंच कर कुएं से लाश निकलने की कोशिश की जा रही थी। इदाहर सदमे में पति जतन राम घर के अंदर जा कर कीटनाशक सेवन कर लिया। जब उसे आसपास नहीं देखा गया तो छोटा भाई राम सिंह उसके घर जा कर ढांढस बंधा रहा था। इस दौरान वह बताया कि मैं कीटनाशक सेवन कर लिया हूं। परिजन ने उसे इलाज के लिए तत्काल धौरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हसदेव क्षेत्र में धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं ग्रामीणों पर आपराधिक प्रकरणों को वापस लेने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। हसदेव क्षेत्र में पढ़ाई कमाई और दवाई अभियान संचालित कर रहे नंगे पांव सत्याग्रह के चार सदस्यीय दल क्षेत्र में लोगों से संपर्क पश्चात समस्या व मुद्दे उभर कर आए। इसके अनुगमन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व अदानी प्रबंधन को सामाजिक संवाद माध्यमों व ज्ञापन के माध्यम से हसदेव क्षेत्र में निम्न लिखित मुद्दों की तरफ ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है। देव स्थल हसदेव क्षेत्र के समस्त देव स्थलों को संरक्षित किया जाए। ग्राम साल्ही में ही तीन ऐतिहासिक देव स्थल हैं बूढ़ा देव, महादेव व महामाया माता का स्थान है। इसी प्रकार हसदेव क्षेत्र के अन्य गांवों में वहां के पूर्वजों (सियान) द्वारा स्थापित देव स्थलों को संरक्षित किया जाए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की शून्यता चिन्ता जनक है; उससे भी ज्यादा चिन्ता जनक पहलू अदानी प्रबंधन द्वारा अस्पताल अब तक नहीं बनाया जाना है । शिक्षा के क्षेत्र में अदानी स्कूल के निर्माण के बाद सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या ना के बराबर है। अदानी स्कूल के समीप एक सरकारी स्कूल जर्जर एवं वीरान अवस्था में खड़ा रहकर इस बात की पुष्टि करता है।अदानी प्रबंधन क्षेत्र के समस्त

स्कूलों में जा रहे इक्का दुक्का छात्रों को भी अपने स्कूल में प्रवेश दें। अदानी स्कूल में वर्तमान में दसवीं तक की कक्षाएं संचालित है, इसे अदानी प्रबंधन बारहवी कक्षा तक बढ़ाएं। स्थानीय लोगों से संवाद* अदानी प्रबंधन अपनी सुरक्षा निरीक्षण प्रणाली में लचीला पन लाएं। वर्तमान में कंपनी के अधिकरियों तक पहुंचने में लोगों को विभिन्न जटिलताओं का सामना करना पड़ता है क्योंकि सुरक्षा में सलग्न कर्मचारी लोगों को घुसने नहीं देते हैं। इसका एक विकल्प यह भी है कि प्रवेश द्वार के पास एक हेल्प डेस्क रखा जाए जो लोगों की समस्याओं को प्रबन्धन तक पहुंचाए। जिला प्रशासन मुआवजे के बाद दलालों पर सतत् निगरानी रखने की प्रक्रिया विकसित करे। अब तक चालीस फीसदी लोगों के मुआवजों को दलालों ने हजम किया, वे दलाल क्षेत्र के सफेद पोश राजनैतिक कार्यकर्ता हैं जो विभिन्न दलों में सक्रिय हैंकौशल विकास के बाद *रोजगार व बाजार की व्यवस्था अदानी प्रबंधन व जिला प्रशासन दोनों करें। राजा जय सिंह कुशरो व अन्य के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण वापस हों जिला प्रशासन से आग्रह है कि साल्ही निवासी आनन्द कुसरो, बुद्धिमान सिंह एवं राजा जय सिंह कुसरो, फतेहपुर निवासी मुनेश्वर आर्मो तथा हरिहरपुर निवासी श्रीमती कंचन देवी कोर्राम एवं श्रीमती रातो के ऊपर दर्ज आपराधिक प्रकरण वापस लिया जाए उक्त प्रकरण पुलिस थाना उदयपुर में प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0142 के रूप में दर्ज है। उक्त प्रकरण शिकायत कर्ता प्रभारी तहसीलदार श्री मनीष सूर्यवंशी हैं।

संयुक्त टीम द्वारा 5 बाल श्रमिकों का किया गया रेस्क्यू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर संयुक्त टीम द्वार विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच कर नियोजित बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किया जा रह है। इसी के ी में रविवार को श्रम, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा 5 बाल श्रमिकों का रेस्क्यू कर चाईल्ड लाइन के सुपुर्द किया गया।

श्रम पदाधिकारी नितेश विश्वकर्मा ने बताया कि अम्बिकापुर के अनुपम बोरा दुकान, बिलासपुर चौक स्थित सिंह होटल, सुविधा पोल्ट्री फार्म, शारदा आटा चक्की मायापुर तथा भारत माता चौक के समीप एकता होटल में एक-एक बाल श्रीमक को नियोजित किया गया था। संयुक्त टीम द्वारा पांचों बाल श्रमिकों को दुकान से रेस्क्यू कर अम्बिकापुर के चाइल्ड लाईन के सुपुर्द किया गया।

जोन स्तरीय स्पर्धा में प्रतिभागी दिखा रहे दमखम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। छत्तीसगढिया ओलाम्पिक का जोन स्तरीय स्पर्धा 15 अक्टूबर से शुरू हो गया। स्पर्धा में पारंपरिक खेलों में ग्रामीण व नागरीय क्षेत्र के प्रतिभागी दमखम लगा रहे है। जोन स्तरीय खेल स्पर्धा में 8 ग्राम पंचायतों को मिलाकर कर जोन बनाया गया है। नगर निगम एवं ग्राम पंचायतों में रस्साकशी, कबड्ड़ी, खो-खो, गिल्ली, पिट्ठुल, कंचा, आदि 14 पारंपरिक खेलों में बच्चे युवा बुजुर्ग सहित महिलाएं भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को उदयपुर जनपद के खम्हरिया, बासेन आदि पंचायतों में जोन स्तरीय हुआ।

छत्तीसगढिया ओलम्पिक पारंपरिक खेलों के लिए लोगों को एक मंच देने का काम कर रहा है। यही कारण है कि लोग बड़ी संख्या में उत्साह से भाग ले रहे हैं। इस आयोजन से पारंपरिक खेल जो हाशिये पर चले गए थे उन्हें नवजीवन मिल रहा है। जोन स्तरीय प्रतियोगिता 20 अक्टूबर तक चलेगा। प्रतियोगिता में जनप्रतिनिधि भी शामिल होकर प्रतिभागियों का हौसला आफजाई कर रहे हैं।

युवाओं में भूपेश सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश,बनेगी भाजपा की सरकार:रवि भगत

विश्व के सबसे बड़े युवा संगठन भाजयुमो से युवा जुड़ने को आतुर:रवि भगत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के प्रथम अम्बिकापुर आगमन पर स्वागत में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उमड़ पड़े। आज नगर की सीमा रेलवे स्टेशन के पास जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष का काफिला पहुंचा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विश्व विजय तोमर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बाइक रैली में उनका स्वागत करते हुए रेलवे स्टेशन, किसान राइस मिल रोड, बनारस चौक, गांधी चौक तथा घड़ी चौक होते हुए भाजपा कार्यालय पहुंचे। संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारों के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में प्रदेश के निकम्मी सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है, सरकार हर मोर्चे पर विफल है, सरकार की कानून व्यवस्था चौपट है, पूरे प्रदेश में सड़कों की स्थिति जर्जर एवं भयावह है, अब आने वाले समय में प्रदेश के युवा ही परिवर्तन का शंखनाद करेंगे। आगे उन्होंने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि प्रदेश से इस भ्रष्ट कांग्रेसी सरकार को जब तक उखाड़ कर नहीं फेकेंगे तब तक युवा मोर्चा अध्यक्ष के रूप में मैं फूलमाला नहीं पहनूँगा, मेरे साथ मेरे युवा मोर्चा के साथी भी मेरे संकल्प को पूरा करने में जी जान से जुटेंगे।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सरगुजा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि भाजयुमो भाजपा संगठन के रीढ़ की हड्डी है, भाजपा की शक्ति व सामर्थ्य युवा मोर्चा ही है।

स्वागत कार्यक्रम को पूर्व सांसद कमलभान सिंह पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया निश्चल प्रताप सिंह संजय सोनी विकास पांडे दीपक सिंह तोमर ने भी संबोधित किया। स्वागत उद्बोधन भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्व विजय तोमर ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अंशुल श्रीवास्तव तथा संजय वर्मा ने मिलकर किया तत्पश्चात आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष रोचक गुप्ता ने किया। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता उपाध्यक्ष प्रशांत त्रिपाठी, विनोद हर्ष, मंजूषा भगत, संतोष दास, मधुसूदन शुक्ला, रूपेश दुबे, विजय व्यापारी, अभिषेक शर्मा, नितिन रॉय, रूबी पासी, दीक्षा अग्रवाल, प्रिया सिंह, आर डी चौहान, अकील साय, अनीश यादव, विकास शुक्ला, वीर सोनी, शोलू सिंह, नितिन गुप्ता, राहुल गुप्ता, सूरज मंडल, हर्ष जैसवाल, अनुराग शुक्ला, धीरज सिंह राजपूत, प्रणव राय, प्रियेश अग्रहरी, मुनेश्वर यादव, लवकेश राजवाड़े, राजन प्रजापति, अनीश सिंह, पवन पांडे, श्रीधर केसरी, विशाल गुप्ता, अविनाश कुशवाहा, दिव्यांशु केसरी, प्रियंका नामदेव तथा दीपक यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अजय जामवाल ने लिया किसान मोर्चा सरगुजा के कार्यो की समीक्षा बैठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने लिया किसान मोर्चा सरगुजा के कार्यो की समीक्षा बैठक ,जामवाल जी ने कहा कि जल्द से जल्द पंचायत स्तर पर 10-10 किसान प्रहरी का गठन करना व विधानसभा स्तर पर किसान सम्मेलन करना साथ ही किसान मोर्चा के द्वारा विगत दो साल में किए गए कार्यो की भी भूरी भूरी प्रशंशा की और 456 ग्राम पंचायत, 56 धान खरीदी समिति व आगामी कार्यक्रम पर विशेष जोर देते हुए चर्चाएं हुई व कहा कि किसानों की 2023 के विधानसभा कि चुनाव में विशेष भूमिका होगी इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष व किसान मोर्चा सरगुजा के प्रभारी अम्बिकेश केसरी,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जनमेजय मिश्रा, किसान मोर्चा जिला महामंत्री सोमनाथ सिंह,किसान मोर्चा जिला महामंत्री मनोज कंसारी शामिल रहे।

गिट्टी बालू सीमेंट के मिश्रण से तोलकर किया गया प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

विभिन्न मोर्चों व समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष रवि भगत के प्रथम सरगुजा आगमन पर युवा मोर्चा के साथियों सहित सभी मोर्चों व विभिन्न समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा नगर के विभिन्न चौक चौराहों पर भव्य वह गरिमामय स्वागत किया गया इसी क्रम में गांधी चौक पर पूर्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष निश्चल प्रताप सिंह व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंकित जायसवाल की उपस्थिति में युवा मोर्चा द्वारा तिलक वंदन कर ब्राह्मण समाज द्वारा शुभ मंत्रोच्चारण बंगाली समाज द्वारा शंखनाद कलवार समाज द्वारा प्रतीक चिन्ह अग्रवाल समाज द्वारा प्रतीक चिन्ह कायस्थ समाज द्वारा डायरी पेन सिख समाज द्वारा कटार महिला मोर्चा द्वारा धोती किसान मोर्चा द्वारा धान की बाली से सजा मुकुट आदिवासी मोर्चा द्वारा साफा अजा मोर्चा द्वारा शाल श्रीफल पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा साथ ही अधिवक्ता संघ द्वारा संविधान की पुस्तक चिकित्सक संघ द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए स्वागत व सम्मान किया गया ! इससे पूर्व प्रदेशाध्यक्ष के गांधी चौक पहुंचते ही सरगुजा अंचल के पारंपरिक वाद्य यंत्रों से सुसज्जित शैला करमा दल द्वारा मांदर झाल ढोल व् मृदंग के साथ नृत्य करते हुए आत्मीय स्वागत किया गया तत्पश्चात रवि भगत ने गांधी

की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी विदित हो कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के इस आह्वान पर की जब तक प्रदेश से कांग्रेस की सरकार को उखाड़ कर नहीं फेंक देंगे स्वागत में माला नहीं पहने का संकल्प व स्वागत से अधिक आंदोलन की भूमिका निर्वहन करने के निश्चय को देखते हुए जिले में सड़कों की जर्जर स्थिति को रेखांकित करने हेतु प्रदेश सरकार का विरोध दर्ज करते हुए युवा कार्यकर्ताओं ने गिट्टी बालू सीमेंट से तोल कर फिर उसे मसाले का रूप देते हुए आसपास के गड्ढों को भरकर प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत का नायाब तरीका प्रस्तुत किया व नगर निगम अंबिकापुर व प्रदेश सरकार की नाकामियों को आईना दिखाने का रोचक अंदाज उपस्थित जनसमूह को बहुत प्रिय लगा इस अवसर पर सर्व श्री अंबिकेश केसरी राम लखन पैकरा विद्यानंद मिश्रा विनोद हर्ष जन्मेजय मिश्रा मंजूषा भगत अनिल तिवारी अनिल जायसवाल हरमिंदर सिंह टिन्नी शैलू सिंह गोल्डी बिहाड़े मनोज कंसारी अभिषेक शर्मा जन्मेजय पांडे मुकेश अग्रवाल शुभम अग्रवाल अभिषेक जायसवाल विकास वर्मा रिंकू निरंजन राय सिकंदर जायसवाल बबलू गुप्ता आशुतोष सिंह अखंड विधायक अभय साहू अंजनी दुबे अमित दुबे राजू पांडे रविंद्र सिंह अभिषेक प्रताप सिंह देव शुभम सिंह भदोरिया निशांत गुप्ता मार्कंडेय तिवारी सागर विश्वकर्मा अंशुमल गर्ग जतिन परमार सौरभ जयसवाल अभिमन्यु श्रीवास्तव अविनाश तिवारी दक्ष सिंह समीर श्रीवास्तव आदित्य अग्रवाल प्रिंस तिवारी अनिकेत गुप्ता रूपेश ठाकुर प्रिया सिंह बुधमेत कुजूर अभय वर्मा मुकेश ठाकुर अमित मंडल संत नायक विकास गुप्ता सूर्यकांत संजीव वर्मा अतुल सिंह राजेश कश्यप सुमित देव ठाकुर रोहित कुशवाहा अभिषेक त्रिपाठी कमलेश घोष आलोक आयु अंकित सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे

संक्षिप्त समाचार

गंदे कमेंट करने वाले मनचले को कोर्ट ने दी कड़ी सजा

रायगढ़। कोर्ट ने नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले शख्स को 3 साल तक जेल में रहने की सजा सुनाई है। उसने लड़की पर गंदे कमेंट भी किए थे। जिसके चलते पीड़िता ने मामले की शिकायत थाने में की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। अब 6 महीने बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है।

दरअसल, 8 अप्रैल को इस मामले में पीड़िता ने पुसौर थाने में शिकायत की थी। उसने अपनी शिकायत में बताया था कि घटना के दिन वह कुछ सामान लेने के लिए दुकान गई थी। उसी वक्त वहां पर जितेंद्र चौहान आया और छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर उसे गंदे कमेंट्स भी किए। इसके बाद जितेंद्र वहां से चला गया था।

पुलिस ने इसी शिकायत पर जितेंद्र के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था और उसे गिरफ्तार भी कर लिया था। इधर, मामला फास्टट्रैक कोर्ट में चल रहा था। जिस पर शुक्रवार को न्यायाधीश प्रतिभा वर्मा ने इस संबंध में फैसला सुनाया गया है। कोर्ट ने जितेंद्र के ऊपर 1 हजार रुपए का फाइन भी लगाया है। साथ ही 3 साल की सजा दी है।

नक्सलियों ने किया डबल मर्डर,जन अदालत में दी खौफनाक सजा

बीजापुर, 16 अक्टूबर 2022। नक्सलियों ने दो आदिवासी ग्रामीणों को जनअदालत में खौफनाक सजा दी है। नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर ग्रामीणों को मौत के घाट उतार दिया। नक्सलियों ने बीजापुर थाना क्षेत्र के पेददाकोरमा निवासी राजू मोडियम और पूसनार निवासी दूला कोडमे की हत्या की है। इस मामले में एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने कहा कि, फ़िलहाल मामले की जांच जारी है।

बता दें कि, पेद्दाकोरमा में जनअदालत लगाने के बाद नक्सलियों दोनों ग्रामीणों को मौत की सजा सुनाई और उनकी हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि मृतकों के परिजन अब तक शिकायत करवाने नहीं पहुंचे हैं।

विधवा महिला के साथ रातभर रेप,एक तरफा प्यार में वहसी बन गया युवक

बलरामपुर, 16 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ के बलरामपु से एक दिलदहला देने वाली घटना सामने आई है। एक तरफा प्रेम के चलते एक अधेड़ युवक वहसी बन गया। अधेड़ ने विधवा महिला के साथ मारपीट की और फिर उसके साथ रेप भी किया।

दरअसल आरोपी पर पहले भी अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में मामला दर्ज हो चुका है, जिसकी सजा काटने के लिए वो कुछ समय तक जेल में भी रहा। जेल से छूटने के बाद ही आरोप ने फिर एक वारदात को अंजाम दिया। बता दे कि आरोपी ने विधवा महिला को घर में रस्सी बांधकर पीटा और फिर रातभर रेप भी किया। पीड़िता ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। जिसके बाद उसने शंकरगढ़ पुलिस के पास जाकर मामले की शिकायत की, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

पंचतत्व में विलीन हुए विधायक मनोज मंडावी

कांकेर, 16 अक्टूबर 2022। विधायक मनोज मंडावी पंचतत्व में विलीन हुए. राजकीय सम्मान के साथ जवानों ने सलामी दी।

आदिवासी समाज के बड़े नेता थे विधायक मनोज मंडावी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष मनोज सिंह मंडावी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि मंडावी वरिष्ठ आदिवासी नेता थे। उन्होंने नवगठित छत्तीसगढ़ के गृह राज्यमंत्री और विधानसभा के उपाध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया और प्रदेश की सेवा की। वे वर्ष 1998 में अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के तथा वर्ष 2013 और 2018 में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। मंडावी छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष भी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनोज सिंह मंडावी आदिवासी समाज के बड़े नेता थे। वे आदिवासियों की समस्याओं को विधानसभा में प्रभावशाली ढंग से रखते थे। मंडावी आदिवासी समाज की उन्नति और अपने क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहे।

प्रदेश के विकास में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनका निधन हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने मनोज सिंह मंडावी के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ पहुंची मतपेटी,जानें चुनाव के नियम और मतपत्र

कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव
रायपुर, 16 अक्टूबर 2022। देश के राजनीतिक इतिहास में सबसे पुरानी पार्टी के रूप में दर्ज कांग्रेस पार्टी में पहली बार कल गैर गांधी अध्यक्ष के लिए मतदान होगा। बता दें कि 17 अक्टूबर को यह मतदान पूरे देशभर में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के राजीव भवन में इसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी राज्यों में मतपत्र और मतपेटी के साथ मतदान अधिकारी पहुंच गए हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सुबह 10 बजे से वोटिंग शुरू होगी। 4 बजे तक वोट डाले जाएंगे। सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम, मंत्री, सांसद-विधायक समेत 307 मतदाता राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे।

वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे या शशि थरूर में से कोई एक कांग्रेस की कमान संभालेंगे। इसके लिए पूरे देश में वोटिंग कराई जा रही है। देशभर में उन प्रतिनिधियों की सूची जारी की गई है, जो इस चुनाव में हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ में ऐसे 307 सदस्य हैं, जो मतदान करेंगे। कांग्रेस पार्टी की ओर से जो मतदान के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है, उसके मुताबिक सभी पोलिंग एजेंट को 8.30 तक पहुंचना होगा। उनकी मौजूदगी में चुनाव अधिकारी खाली मतपेटी दिखाएंगे। इसके बाद लॉक कर दिया जाएगा। एजेंट के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। मतदान अधिकारी सभी मतदाताओं को हस्ताक्षर कर मतपत्र उपलब्ध कराएंगे। मतदान अधिकारी को अपना पहचान पत्र भी दिखाना होगा।

खड़गे के चार एजेंट, थरूर के नहीं

छत्तीसगढ़ में मल्लिकार्जुन खड़गे के चार एजेंट बनाए गए हैं। इनमें अरुण सिंघानिया, अर्जुन तिवारी, अरुण सिसोदिया और सुमित्रा धृतलहरे शामिल है। शशि थरूर ने यहा किसी को अपना एजेंट नहीं बनाया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चुनाव के लिए जरूरी व्यवस्था की गई है। इसके बाद जहां मतदान होना है, वह स्थान मतदान अधिकारी हुसैन दलवई ने अपने कब्जे में ले लिया है। इसे एजेंट की उपस्थिति में ही इन्हें खोला जाएगा।

हत्या कर शव नाले में फेंकने वाले गिरफ्तार,पुलिस ने किया खुलासा

कवर्धा, 16 अक्टूबर 2022। कबीरधाम जिले के लोहारा थाना अंतर्गत कोटगांव के नाले में संदिग्ध अवस्था में युवक का शव तैरते मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. युवक ही हत्या की आशंका पर जांच शुरू की. पुलिस मुखबिर की सूचना पर हत्या के आरोप में संतोष ध्रुवे और नानकु मरकाम को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक ओंकार वर्मा अपने निजी काम से कोटगांव आया हुआ था. इसी दौरान उसकी संतोष धुर्वे से कहासुनी हो गई. बात इतनी बढ़ी की आरोपी संतोष ने आवेश में आकर धारदार हथियार से ओंकार के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. ओंकार के दम तोड़ने के बाद आरोपी संतोष और उसका साथी नानकू मरकाम अपराध को छुपाने के लिए गांव से तीन किमी दूर लाश को एक नाले में फेंककर फरार हो गए.

नाले में युवक के शव को तैरते देख हैरान ग्रामीणों ने तत्काल लोहारा थाने में जानकारी दी. मृतक की पहचान भिलाई निवासी ओंकार वर्मा के तौर पर हुई, जिस पर पुलिस ने उसके परिजनों को स्थिति से अवगत कराते हुए पंचनामा कर शव को सौंप दिया है. वहीं मामले में पुलिस ने धारा 302 के तहत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हॉस्पिटल में गंदगी और अव्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, तत्काल सुधार के दिए निर्देश

रायगढ़, 16 अक्टूबर 2022। कलेक्टर रानू साहू मेडिकल कॉलेज के औचक निरीक्षण में पहुंची। यहां उन्होंने पूरे अस्पताल में घूमकर मरीजों को मिल रहे इलाज और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ.मनोज मिंज के साथ हर वार्ड में जाकर वहां की व्यवस्था देखी और मरीजों से बात की। सीईओ जिला पंचायत श्री अबिनाश मिश्रा और आयुक्त नगर निगम संबित मिश्रा भी निरीक्षण के दौरान साथ रहे। कलेक्टर साहू ने इस मौके पर कुछ जगहों में निर्माण कार्यों में कमी को लेकर खासी नाराजगी जताई। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कई वार्डों में पर्याप्त सफाई व्यवस्था नहीं होने पर भी असंतोष व्यक्त किया और नियमित रूप से सफाई करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती साहू ने मेडिकल कॉलेज में अलग अलग फ्लोर्स में बने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मेल एवं फिमेल, शिशु रोग, स्त्री रोग, अस्थि रोग, आईसीयू, कैजुअल्टी का निरीक्षण किया। यहां भर्ती मरीजों से उनको मिल रहे इलाज, दवाईयों और खाने-पीने की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

अक्षय कुमार की शूटिंग जारी,छत्तीसगढ़ में है एक्टर

रायगढ़, 16 अक्टूबर 2022। तमिल सुपरहिट फिल्म सूरारई पोटरू के हिंदी रीमेक की शूटिंग करने अक्षय कुमार शनिवार से रायगढ़ में हैं. खिलाड़ी कुमार से मिलने के लिए दर्शकों में अभूतपूर्व जिज्ञासा है. आज जिंदल एयर स्ट्रिप में शूटिंग के दौरान जालियों के बाहर खिलाड़ी कुमार के सैकड़ो फैन्स की भीड़ उमड़ पड़ी. अक्षय कुमार को देखते ही उनसे मिलने के लिए फैन्स उतावले नजर आए और उनकी दीवानगी देखने को मिली.

फैंस का बस चलता तो वे अक्षय कुमार से मिलने स्ट्रीप पर ही चले जाते, लेकिन जिंदल एयर स्ट्रिप की बाउंड्रीवाल में लगी जालियां अक्षय कुमार और फैंस के बीच दीवार बनकर खड़ी थी. शोर मचाते हुए फैंस की दीवानगी देख सुपर स्टार अक्षय कुमार खुद बाउंड्रीवॉल में लगी जालियों के पास आकर अपने फैंस से हाथ मिलाने लगे और अपना हाथ उठाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया. अक्षय कुमार जैसे ही अपने फैंस से मिले उनकी दीवानगी उफान मारने लगी.

कांग्रेस नेता ने शराब के नशे में किया हंगामा, ड्यूटी में लगे पुलिसवालों को सुनाई खरी-खोटी

बिलासपुर, 16 अक्टूबर 2022। कांग्रेस नेता ने शराब के नशे में पुलिस वालों से जमकर विवाद किया है। विवाद इस बात को लेकर हो गया कि पुलिस उनकी चेकिंग करना चाहती थी। मगर कांग्रेस नेता इससे ऐतराज जताने लगे। उल्टा पुलिस को कहने लगे आप लोग तो अपराधियों के गले लगते हैं। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि ऐसे पुलिस वालों को सरकार हटाए। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है।

बिलासपुर में अपराध रोकने पुलिस रात के वक्त आने-जाने वाले लोगों की चेकिंग करती है। इसी कड़ी में शुक्रवार रात को भी पुलिस की टीम कोतवाली थाने के पास आने-जाने वाले लोगों की जांच कर रही थी। उसी वक्त वहां पर कांग्रेस नेता करण गोरखा पहुंच गए। करण ने अपने आप को बिलासपुर लोकसभा आईटी सेल का महासचिव बताया है।

इसके बाद पुलिस ने करण से पूछताछ की और उनकी गाड़ी की जांच करनी चाही। बस इसी बात पर कांग्रेस नेता नाराज हो गए। कहने लगे कि मैं इतनी रात को पार्टी के काम से गया था। वहीं से वापस आ रहा हूं। आप लोग लोगों को सिर्फ परेशान करते हैं। राज्य में हमारी सरकार है। मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं। ये पुलिस हमारी सरकार को बदनाम करने का काम करती है।

रायपुर में चाकू के साथ मोहम्मद मकलुख गिरफ्तार

रायपुर, 16 अक्टूबर 2022। थाना कोतवाली पुलिस की टीम द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत रविन्द्र मंच के पीछे आम जगह नेहरू नगर रायपुर में हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते आरोपी नाम मोहम्मद मकलुख उर्फ अनस पिता स्व. मोहम्मद मुख्तार उम्र 20 साल साकिन संजय नगर मदनी चैक के पास थाना टिकरापारा रायपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 धारदार चाकू जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 322/22 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही किया गया।

गांव वालों ने सरकारी राशन दुकान में जड़ा ताला

सूचना मिलते ही पहुंचे फूड इंस्पेक्टर और टीआई

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 16 अक्टूबर 2022। जिले के ग्राम पंचायत मेढ़ुका में शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर रविवार को भी सैकड़ों ग्रामीण जमा हैं। आज भी उन्होंने यहां का ताला खुलने नहीं दिया। ग्रामीणों के विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए यहां नायब तहसीलदार अश्विनी कुजूर, फूड इंस्पेक्टर नटवर राठौर, टीआई युवराज तिवारी गांव पहुंचे हुए हैं।

अधिकारी लोगों को समझा रहे हैं, लेकिन गांववाले अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। पूरा मामला मरवाही जनपद के ग्राम पंचायत मेढ़ुका का है। शनिवार को गांववालों ने महिला स्व सहायता समूह पर कई आरोप लगाते हुए शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर ताला जड़ दिया था। राशन दुकान में सरपंच, पंच, जनपद सदस्यों की उपस्थिति में गांववालों ने ताला लगाया था। गांववालों की मांग है कि राशन दुकान का संचालन सहकारी संस्था करे।

दरअसल ग्राम पंचायत मेढ़ुका में स्व सहायता समूह के द्वारा राशन दुकान का संचालन किया जा रहा है। राशन वितरण से असंतुष्ट ग्रामीणों ने राशन वितरण में गड़बड़ी और हितग्राहियों के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत की है। लोगों ने कहा कि राशन दुकान में न उन्हें चावल मिलता है, न शक्कर और न नमक। गांववालों का कहना है कि इससे पहले राशन दुकान का संचालन सहकारी संस्था कर रही थी। बाद में प्रशासन ने दुकान का संचालन समूह को दे दिया, जिसका विरोध पंच, सरपंच, जनपद सदस्य और ग्रामीणों ने किया था। सभी ने राशन दुकान संचालन को यथावत रखने की मांग की थी।

पति ने की पत्नी की जान लेने की कोशिश, फिर मौके से हुआ फरार

रायगढ़, 16 अक्टूबर 2022। जिले में एक शख्स ने अपनी ही पत्नी पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी अपनी पत्नी पर चरित्र शंका करता था। इसी वजह से उसने हमला किया है और हमला कर भाग निकला है। मामला छाल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बिहार की रहने वाली हेमा सिंह राजपूत की शादी रायगढ़ जिले के मुनुंद छाल निवासी धीरेंद्र सिंह राजपूत के साथ 12 साल पहले हुई थी। इससे उनके दो बच्चे भी हैं। शादी के बाद से दोनों के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था। मगर बाद में धीरेंद्र अपनी पत्नी पर चरित्र शंका करने लगा था।

बताया गया है कि धीरेंद्र अपनी पत्नी पर शक करता था कि उसका किसी और के साथ प्रेम संबंध है। इसी वजह से दोनों के बीच विवाद हुआ करता था। धीरेंद्र अपनी पत्नी से कई बार मारपीट कर चुका था। इस बीच 10 अक्टूबर की रात को घर पर ही थी।

शिव महापुराण कथा हनुमान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में ली गई बैठक

रायपुर, 16 अक्टूबर 2022। बैठक में संचालन समिति का गठन किया गया और विस्तृत रूप से कार्य योजना पर चर्चा होकर लोगों को जवाबदारी देने के लिए सूचियां बनाकर दीपावली के बाद एक बैठक होने का निश्चय हुआ एवं प्रमुख कार्य योजनाओं पर निर्णय हुआ सभी सदस्यों ने अपना योगदान तन मन धन से करने का संकल्प लिया महिला समूह के द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही गई अगली बैठक दिपावली के बाद आयोजन समिति के सभी सदस्य एक बार पुनः व्यवस्था को लेकर के बैठने की अपनी सहमति प्रदान की एवं बाहर से आने वाले सभी श्रद्धालुओं का व्यवस्था सुचारू रूप से कर सके ऐसा सभी लोगों ने अपनी सेवा देने की बात कही।

उक्त बैठक में अग्रवाल समाज ब्राह्मण समाज गुजराती समाज जैन समाज साहू समाज लोधी समाज गायत्री परिवार एवं रायपुर के सभी समाज के प्रमुख लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस पांच दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा महाकुंभ को सफल बनाने हेतु वे संकल्पित हैं। बैठक में प्रमुख रूप से माननीय विकास उपाध्याय, रतन गोयल, दीनानाथ शर्मा जी, राम भगत अग्रवाल, महेश शर्मा, विजय जडेजा, हेमेंद्र साहू, मोहन उपाकर, योगेश शेंडे, मनीष शर्मा, दीपक अग्रवाल एवं महिलाओं में रितु अग्रवाल, जया अग्रवाल, सीमा शर्मा, प्रीति अग्रवाल जी, किरण डागा जी, संध्या अग्रवाल जी उपस्थित थे। अंत में श्री शिव महापुराण कथा आयोजन समिति के मुख्य आयोजक बसंत अग्रवाल ने बताया इस विशाल महाकुंभ में सभी लोगों की सहभागिता तन मन धन से साथ देने के लिए सब का आभार प्रकट किया।

CMYK

क्या सीएमओ संबंध मधुर करने पीआईसी की बैठक नपा अध्यक्ष के कक्ष में सम्पन्न कराई?

» पहले भाजपा ने नपा मुख्य अधिकारी पर साधा निशाना अब सत्तापक्ष के एल्डरमैन व नपा उपाध्यक्ष ने भी खोला मोर्चा।
» सोशल मीडिया पर एल्डरमैनों ने नगर पालिका अधिकारी के खिलाफ खोला मोर्चा।
» क्या दोनों के विरोध के बाद नगर पालिका मुख्य अधिकारी बदलेगी।
» जिला पंचायत उपाध्यक्ष के बाद नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव बैठे जमीन पर।
» पीआईसी की बैठक नपा अध्यक्ष के कक्ष में होने का विरोध।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले का बैकुंठपुर नगर पालिका मुख्य अधिकारी को लेकर लगातार शिकायतों का दौर शुरू है पहले भाजपा और अब सत्ता पक्ष के एल्डरमेन व नपा उपाध्यक्ष भी नगर पालिका मुख्य अधिकारी के खिलाफ दिखने लगे, शुरू से ही नगरपालिका मुख्य अधिकारी विवादों से नाता रहा चाहे वह साफ सफाई का मामला हो या बैकुंठपुर नगर पालिका का रनर मशीन घर ले जाने का, ऐसा लग रहा है कि शहर के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी के बदलना ही उचित है।

वही मुख्य नगर पालिका अधिकारी बैकुन्ठपुर सत्ता और विपक्ष दोनों से सामंजस्य बनाने के चक्कर में उलझती जा रही हैं, उलझन भी क्यों ना हो अध्यक्ष विपक्षी पार्टी का है तो वहीं उपाध्यक्ष सत्ता पक्ष का, नगर पालिका में अध्यक्ष की चल नहीं रही जिसे लेकर कुछ दिन पहले ही जमकर विवाद हुआ और इस बार मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने विपक्षी दल के नगर पालिका अध्यक्ष के साथ संबंध बनाने के फिराक नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे के कक्ष में बैठक सम्पन्न कराई, जिस पर सत्ता पक्ष के उपाध्यक्ष उनके विरुद्ध हो गए और उन्हीं के सामने जमीन पर बैठ गए, मुख्य नगरपालिका अधिकारी कुर्सी में बैठी थी और एल्डरमैन व नगर पालिका उपाध्यक्ष जमीन पर बैठे थे ऐसा लग रहा था की एल्डरमैन व नापा उपध्यक्ष को मुख्य नगरपालिका अधिकारी पढ़ा रही हैं और वह जमीन पर बैठ कर पढ़ रहे हैं पर पढ़ने पढ़ाने तक तो ठीक है पर क्या पढ़ना है क्या पढ़ाना है इसे लेकर भी समझ होनी चाहिए? अब वह पढाई थी या सफाई ऐ तो वही जाने, तस्वीर जैसे ही वायरल हुई तरह-तरह की चर्चाएं भी उसी तस्वीर की होने लगी।

क्या वजह है की कांग्रेसियों को विरोध जताने के किए जमीन पर बैठने की नोबत आ गई है?

यदि यह कहा जाए कि कोरिया कांग्रेस में कुछ सही नहीं चल रहा है तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। सरकार में होने के बाद भी कांग्रेसियों को विरोध जताने के किए जमीन पर बैठ कर धरना देने की नोबत आ गई है। आज सुबह जिपं उपाध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बचरपोड़ी तहसील के उद्घाटन पर आमन्त्रण पत्र में उनका नाम नही होने पर आपत्ति जताते हुए कार्यक्रम स्थल पर ही जमीन में बैठ गए।

सभा कक्ष में ना हो कर पीआईसी की बैठक अध्यक्ष के चेम्बर में हुई आयोजित

इसके बाद आज ही नगरपालिका में पीआईसी की बैठक आयोजित की गई थी, जिसे नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे के कक्ष में सम्पन्न कराई गई। बस इसी बात को लेकर नगरपालिका के उपाध्यक्ष आशीष यादव ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जब नपा में सभाकक्ष बना हुआ है तो पीआईसी की बैठक अध्यक्ष के चेम्बर में क्यों आयोजित की जा रही है? इसी बात पर आपत्ति जताते हुए नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव के साथ नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा सिंह, एल्डरमैन विपुल शुक्ला, सौरभ गुप्ता, मोनू मांझी, पार्षद राहुल गुप्ता, धीरज शिवहरे सहित अनेक कांग्रेसी पार्षद मुख्य नगरपालिका अधिकारी के चैम्बर के सामने धरने पर बैठ गए। नगर पालिका मुख्य अधिकारी मुक्ता सिंह चौहान को इन बाबत उन्होंने ज्ञापन भी दिया। इस सम्बंध में नगर पालिका मुख अधिकारी मुक्ता सिंह चौहान ने बताया कि अब बैठक के संबन्ध में कोई भी पत्र जगह स्थल के साथ जारी किया जाएगा।

45 आईएस के विरूद्ध वर्षों से लंबित शिकायतों के निराकरण में उच्च न्यायालय लें संज्ञानः राजकुमार मिश्रा

आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के जनहित याचिका हाईकोर्ट में है पंजीकृत

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। चिरमिरी निवासी आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में जनहित याचिका लगाकर मांग किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में 45 अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों (आईएएस) के विरुद्ध कई वर्षों से लंबित शिकायतों का निराकरण करने के संबंध में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय दिशा निर्देश जारी करें। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में यह जनहित याचिका क्रमांक 69/2021 के रूप में पंजीकृत किया गया है। जनहित याचिका के अनुसार दिनांक-16.12.2015 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक प्रश्न विधायक देवजी भाई पटेल के द्वारा पूछा गया था कि क्या- मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि दिनांक 17.11.2015 तक भारतीय प्रशासनीक सेवा के किन-किन अधिकारियों के विरूद्ध शिकायती प्रकरण लंबित है? उनके नाम पदस्थापना सहित व्यौरा दें।

पूर्व सरकार ने आईएएस 45 अधिकारियों का दिया था ब्यौरा

राजकुमार मिश्रा ने बताया कि भाजपा सरकार ने विधानसभा में उठे प्रश्न के जवाब में बताया था कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 45 अधिकारियों के खिलाफ शिकायत लंबित है। इस उत्तर में निम्न 45 अधिकारियों का नाम बताया गया जिसमें सी.के. खेतान, जी. आर. चुरेंद्र, छत्तर सिंह डहरे, डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुकेश बंसल, एन एम छीरसागर, श्रीमती शारदा वर्मा, श्रीमती रितु सेन, निरंजन दास, हिमशिखर गुप्ता, एन.के. खाखा, उमेश कुमार अग्रवाल, ओ.पी. चौधरी, श्रीमती आर. संगीता, टी. राधाकृष्णन, अमित कटारिया, नरेंद्र कुमार शुक्ला, एलेक्स पाल मेनन, के.सी. देवासेनापति, अशोक कुमार अग्रवाल, सुश्री ओमेगा युनाईस टोपो, भीम सिंह, चंदन कुमार, सुश्री अमरमेलमंगई डी., रणवीर शर्मा, जी एस मिश्रा, विकास संदीपान, अवनीश कुमार शरण, डॉ. सारांश मित्तर, जे.पी. पाठक, अंकित आनंद,

दिनेश श्रीवास्तव, टॉमन सिंह सोनवानी, केडीपी राव, सुरेंद्र कुमार जयसवाल, एम.के. राउत, अनबलगन पी, बी.के. धुर्वे, रजत कुमार, सिद्धार्थ कोमल परदेशी, डॉ. रोहित यादव, भुवनेश यादव, सुब्रत साहू, अमृत खलखो, दिलीप वासनिककर. भारतीय प्रशासनिक सेवा के उक्त 45 अधिकारियों के विरुद्ध लंबित शिकायती प्रकरणों में राज्य सरकार को अब तक यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि उनके विरुद्ध जांच करना है अथवा नहीं, इन अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतें गंभीर प्रकृति का है। इस जनहित याचिका में पूर्व सुनवाई में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के द्वारा जवाब प्रस्तुत कर बताया गया कि 45 आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध किस प्रकार की शिकायतें लंबित है।

माननीय उच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता ने कहा कि आईएस के मामले में उच्च न्यायालय ही करे जांच

जनहित याचिका के सुनवाई में 28 सितंबर 2022 हुआ था। इस सुनवाई में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के द्वारा बेहतर जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय की मांगी गयी थी और जनहित याचिकाकर्ता के अनुरोध पर इस प्रकरण की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किए जाने के अनुरोध को स्वीकार कर दिया गया था। इस महत्वपूर्ण जनहित याचिका की अग्रिम सुनवाई 16 नवंबर 2022 को निर्धारित किया गया है। जबकि पिछले सुनवाई में पूछे जाने पर आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा के द्वारा कहा गया कि ÷आईएएस अधिकारी ही किसी राज्य को सुव्यवस्थित रीति से संचालित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं और उन आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध कई वर्षों से शिकायतें लंबित है जो बेहद गंभीर प्रकृति की है। असल बात यह है कि इस तरह के आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध जांच भी उन्हीं के स्तर का कोई व्यक्ति करता है जिसमें न्याय उचित जांच होकर दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही किया जाना बेहद कठिन और दुष्कर होता है यदि इस प्रकार का जांच उच्च न्यायालय के देखरेख में होता है तभी जांच निष्पक्ष संपन्न हो सकता है।

मानसून की वापसी के साथ जिले में हुई झमाझम बारिश

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। सरगुजा संभाग से मानसून की विदा हो गई। मानसून की वापसी के साथ जमकर बारिश हुई। लगभग दो घंटे से अधिक समय तक झमाझम बारिश से अंबिकापुर शहर तरबतर हो गया। शहर के विभिन्न जगहों पर जल जमाव की स्थिति निर्मित हो गई। कई सड़क पर तालब की स्थिति निर्मित हो गई। पूरे दिन मौसम साफ रहा। शाम चार बजते ही आसमान में बादल छाने शुरू हुए और देखते ही देखते झमाझम बारिश शुरू हो गई। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट के अनुसार सरगुजा संभाग से मानसून की विदा हो गई। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर तक सिमट चुका है। अगले दो दिन में मानसून मध्य भारत के साथ-साथ पूर्वी भारत से भी विदा हो कर ओड़िसा तक सिमट जाएगा। मानसून की वापसी के साथ ही पश्चिमी विक्षोभों के शुष्क पवनों के मार्ग सुगम हो जाएंगे जिससे अब वायुमंडल के तापमान में ठंड का प्रभाव दिखने लगेगा। उधर उत्तरी अंडमान सागर में हलचल तेज हो रहा है जिससे 18 अक्टूबर के आसपास एक चक्रवाती घेरा आकार ले कर पश्चिम- उत्तर पश्चिम दिशा में बढ़ता हुआ 20 अक्टूबर के आसपास अवदाब में बदलने की संभावना व्यक्ति की जा रही है। इसी के साथ 16 अक्टूबर की शाम मानसून की विदाई झमाझम बारिश के साथ हुई।

फसल के लिए हो सकता है नुकसान

15 अक्टूबर के बाद कम अवधि वाले धान की फसल पक चुकी है। जिले में हो रही लगातार बारिश के कारण धान के फसल के साथ-साथ अरहर व सब्जी की फसल को नुकसान पहुंच सकता है। फसल में कीट लगने की संभावना है।

शाम 5.30 बजे तक 48.4 मिमी वर्षा

मौसम विभाग के अनुसार पूरे दिन मौसम सफ रहा। रविवार का अधिकतम 28.6 डिग्री व न्यूनतम 20.2 डिग्री था। वहीं लौटते मानसून के दौर में स्थानीय प्रभावों से वायुमंडल में बने गरजने वाले बादलों से तेज गर्जन के साथ शाम 5.30 बजे तक एक घण्टे में 48.4 मिमी की भारी वर्षा दर्ज की गई है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज रामानुजगंज में संस्थावार प्रवेश आज से

-संवाददाता-

बलरामपुर , 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रामानुजगंज में डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संस्थावार ऑनलाइन कॉउंसलिंग आज 17 अक्टूबर से प्रारंभ होगी।

शासकीय पॉलिटेक्निक रामानुजगंज में संचालित 3 वर्षीय डिप्लोमा (सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु सीजी पीपीटी 2022 की परीक्षा एवं कक्षा 10वीं के प्राप्तांक के अंक को मेरिट लिस्ट का आधार बनाया गया है तथा द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु 12वीं गणित संकाय से उत्तीर्ण प्राप्तांक अंक को एवं द्विवर्षीय आईटीआई उर्त्तीण को मेरिट लिस्ट का आधार बनाया गया है। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रामानुजगंज के सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में जिले के अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं कॉउंसलिंग कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

नरवा विकास योजनारू कर्रा नाला उपचार से सिंचित भूमि रकबे में हुई वृद्धि, 60 से ज्यादा किसानों के खेतों में लहलहाने लगी फसल

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 16 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)। शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजनांतर्गत नरवा विकास के जरिये राज्य में भू-जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करने सहित नदी-नालों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। इस दिशा में नरवा विकास योजना बहुपयोगी योजना साबित हो रही है। नरवा एवं जल स्त्रोतो को उपचारित करने, भूमिगत जल स्तर सुधार एवं मृदा क्षरण रोकने में यह योजना महती भूमिका निभा रही है। सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि से किसानों को खेती किसानी में अच्छा लाभ भी मिलने लगा है।

कोरिया जिले के विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत उमझर तथा रटगा में कर्रा नाला बहता है, उमझर के आश्रित ग्राम तिलवनड़ांड के हडही नाला से शुरू होकर यह रटगा होते हुए कुल 9.39 किलोमीटर बहते हुए ग्राम अमरपुर के धनुहर नाला में मिल जाता है। खेती-किसानी के लिए आस-पास के किसान कर्रा नाला पर आश्रित हैं। नरवा विकास योजना से वर्ष 2020-21 में कुल 22.45 लाख रुपए की स्वीकृति पर 650 हेक्टेयर क्षेत्र में नरवा का उपचार किया गया। उपचार से सिंचित भूमि के रकबे में 35.5 फीसदी वृद्धि हुई है, वहीं भूजल स्तर में औसत 1 से 1.5 मीटर वृद्धि दर्ज की गई। कर्रा नाला विकास के तहत कुल 193 संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें 15 अर्थन गलीप्लग, 25 ब्रशवुड चेक डेम, 30 एलबीसीडी, 100 कंटूरट्रेंच, 18 फार्म बन्डिंग तथा 05 फार्म पोंड निर्मित किए गए हैं।

62 किसानों के खेतों में लहलहाने लगी फसल, रामरूप तथा बुधनीबाई ने बताया नरवा उपचार से पानी की समस्या हुई दूर

नरवा पुनर्जीवन के लिए किए गए योजनाबद्ध कार्यों ने क्षेत्र के 62 किसानों की खुशहाली और समृद्धि का रास्ता खोल दिया है। विभिन्न संरचनाओं के बन जाने से जल स्तर बढ़ा एवं सिंचाई के रकबे में वृद्धि हुई है, जिससे धान के साथ सब्जी उत्पादन, उड़द, मुगफली, गेहूँ इत्यादि का पैदावार होने से किसानों के वार्षिक आय में वृद्धि हुई है। ग्राम रटगा के किसान रामरूप बताते हैं कि उनके पास 12 एकड़ कृषि भूमि है, पहले क्षेत्र में खेती के लिए पानी की बहुत समस्या होती थी, नरवा उपचार से सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिल रहा है और अब वह धान के साथ सब्जी भी लगा रहे हैं। इसी ग्राम के ही बुधनीबाई ने बताया कि 2 एकड़ में मैंने मक्के की खेती की है, साथ में अतिरिक्त आय के लिए कुछ सब्जियां भी लगायी है।

भारतीय मजदूर संघ का चिंतन शिविर भोपाल में,सभी प्रान्तों के पदाधिकारी रवाना

-ईश्नु प्रसाद यादव-

मनेंद्रगढ़ 16 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)। भारतीय मजदूर संघ मध्य क्षेत्र छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत् मजदूर महासंघो के प्रतिनिधियों का एक संयुक्त चिंतन शिविर दिनांक 15 व 16 अक्टूबर को भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश कार्यालय ठेंगड़ी भवन में होगा। इस शिविर में दोनो प्रांतो के असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत् प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।एक प्रेस बयान में उक्ताशय की जानकारी देते हुये भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश मंत्री राजेश कुमार राजवाड़े ने बताया कि चिंतन शिविर में भारतीय मजदूर संघ के राष्टीय महामंत्री रमेश जी, असंगठित क्षेत्र के राष्टीय प्रभारी व भामसं के राष्टीय सह-संगठन मंत्री जयंती लाल जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री धरमदास शुक्ला सहित अन्य अनेक केन्द्रीय नेताओं का सानिध्य प्राप्त होगा। इस चिंतन शिविर में भामसं छत्तीसगढ़ की ओर से आंगनबाड़ी महासंघ, मिड-डे-मिल महासंघ, ठेका मजदूर महासंघ, निर्माणी मजदूर महासंघ, मितानिन वर्कस महासंघ के साथ असंगठित क्षेत्र में कार्यरत् अन्य महासंघो के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

शूकर पालन ने दिखाई समूह की महिलाओं को आजीविका की नई राह

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)। जिले के दूरस्थ एवं वनांचल विकासखण्ड मैनपाट के ग्राम चिड़ापारा की गुलाब स्व सहायता समूह की महिलाओं को शूकर पालन से आजीविका की नई राह मिल गई है। कम समय मे अधिक मुनाफा मिलने से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है जिससे उनके हौसले बुलंद है। शुकर पालन से महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये की आमदनी हो रही है। गुलाब स्व सहायता समूह परस्पर सहयोग की भावना रखते हुए अपने आजीविका के रूप में शूकर पालन एवं बिक्री कर अपने आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करते हुए स्वालम्बी समूह की एक मिशाल बन रही है ।

मैनपाट विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिड़ापारा (भेलतराई) की गुलाब स्व सहायता समूह में 10 महिला सदस्य हैं जो बिहान योजना द्वारा संचालित हैं। समूह का गठन वर्ष .2018 में।किया गया है। इनके क्षमता वर्धन का कार्य विकासखंड मिशन प्रबंधन इकाई एवं अभिसरण के माध्यम से किया गया। गुलाब स्व सहायता समूह के सदस्य बिहान से जुड़ने के बाद जिंदगी में कुछ कर गुजरने एवं अच्छे मुकाम हासिल करने की प्रेरणा मिली। वे आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कुछ न कुछ आजीविका संबंधित कार्य करना चाहती थी। समूह ने 11 सूत्रों का नियमतः पालन करते हुए चक्रीय निधि राशि 15 हजार रुपये, सामुदायिक निवेश कोष राशि 60 हजार एंव बैंक लिंकेज की राशि 20 हजार प्राप्त कर शूकर पालन प्रारम्भ किया गया। शुरुआती दौर में सदस्यों द्वारा स्थानीय हाट-बाजारों में शूकर बिक्री किया गया।

क्यों बार-बार शासकीय कार्यक्रमों में जमीन पर बैठने मजबूर हो जाते हैं कोरिया के जिपं उपाध्यक्ष ?

» कोरिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष अपने ही सरकार में क्यों है उपेक्षा के शिकार,षड्यंत्र है या प्रशासन की बेरुखी ?

» क्या वजह थी कि जिला पंचायत उपाध्यक्ष को मंच पर नहीं जमीन पर पड़ा बैठना ?

» अपनी ही सरकार में जिपं उपाध्यक्ष को कई बार जमीन पर बैठ जताना पड़ा विरोध।

» सत्ता के 4 साल पूरा होने को हैं रवैये में बदलाव आखिर क्यों नहीं प्रशासन के ?

» क्या जिपं उपाध्यक्ष के साथ हो रहा षड्यंत्र या फिर प्रशासन नहीं जानता कि सत्ता पक्ष के हैं जिपं उपाध्यक्ष ?

» विपक्षी पार्टी के जनप्रतिनिधियों का तिरस्कार तो होता ही आ रहा है पर अपने ही पार्टी का तिरस्कार भी एक नहीं कई बार हो चुका, आखिर कहां पर है कमी ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

15 साल बाद छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार आई, नई सरकार से लोगों की उम्मीद थी की पुरानी सरकार से यह बेहतर सरकार होगी, प्रशासनिक कसावट अच्छा होगा और लोगों की परेशानियां कम होंगी जो अभी तक देखने को नहीं मिला है, जनता ने जितनी उम्मीद मौजूदा सरकार से लगाई थी क्या उम्मीद पूरी हुई है? यह तो 2023 का चुनाव परिणाम बताएगा। इस समय कोरिया जिले में जिस प्रकार की राजनीति हो रही है इससे कहीं न कहीं कांग्रेस पार्टी की ही छवि धूमिल हो रही है सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों का अपमान लगातार देखा जा रहा है, एक नहीं कई बार जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी को अपने ही सरकार में मान सम्मान ना मिलने को लेकर आमंत्रण में नाम न होने को लेकर मंचो पर कुर्सी ना मिलने को लेकर जमीन पर बैठने की नौबत आ गई थी और यह पिछले 4 सालों में एक नहीं कई बार देखने को मिला। कई प्रशासनिक अधिकारी बदले पर इसके बावजूद उनके साथ होने वाली उपेक्षा का सिलसिला खत्म नहीं हुआ, एक बार फिर विभाजित जिला कोरिया में उन्हीं के जिला पंचायत क्षेत्र में नवीन तहसील कार्यालय का उद्घाटन हुआ और आमंत्रण भी दो बार छपे पर दोनों बार उनका नाम उस आमंत्रण कार्ड में नहीं रहा जिसे लेकर उन्हें आपत्ति हुई और वह कार्यक्रम में पहुंचे तो जरूर पर जमीन पर बैठकर ही विरोध जताया, विधायक व प्रशासनिक अधिकारी के मान मनोबल के बाद मंच पर आसीन तो हो गए पर सवाल यह है कि आखिर ऐसा बार- बार क्यों हो रहा है, आखिर इसके पीछे की वजह क्या है? क्या इसके पीछे इन्हीं के पार्टी के लोगों का षड्यंत्र है? क्या इनके विधायक की भी यही मंशा है या फिर प्रशासन की चूक फिलहाल चाहे जो भी हो इनके प्रति तिरस्कार की घटना थम नहीं रही। ऐसे कई सवाल इस समय जिला पंचायत उपाध्यक्ष को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है पर सवाल यह है क्या मुख्यमंत्री इन चीजों को गंभीरता से लेते हुए अपनी पार्टी की धूमिल होती छवि को सुधार पाएंगे? क्या प्रशासनिक अधिकारियों को समझा पाएंगे या स्थानीय विधायक को इसका जिम्मेदार मानेंगे?

पहली बार कलेक्टर बने विनय कुमार लंगेह के लिए यह अपनी तरह का अलग ही मामला

आईएस विनय कुमार लंगेह को पहली बार कलेक्टर बनने का मौका मिला और पहले मौके के शुरुआती दौर में ही उन्हें एक कार्यक्रम में आलोचना का शिकार भी होना पड़ा, वैसे कहा जाता है कि विनाय कुमार लंगेह काफी एग्रेसिव कलेक्टर हैं और सारी चीजों को अच्छी तरीके से समझते हैं और सभी का सम्मान करना इनकी आदत है पर ना जाने कैसे इस मामले में वह अंदाजा नहीं लगा पाए और पूरे कार्यक्रम में उन्हें एक अलग तरह का अनुभव हुआ जिस बात से शायद वह अवगत नहीं थे और यदि अवगत होते तो ऐसी स्थिति शायद सामने आती ही नहीं, वहीं मामले में कलेक्टर कोरिया खुद असमंजस में ही दिखे।

आखिर कोरिया जिले में क्यों हो रही है जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा ?

कोरिया जिले में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की लगातार उपेक्षा हो रही है विपक्ष के नेताओं की उपेक्षा तो हो ही रही है सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा भी लगातार हो रही है पार्टी के अंदरखाने की आवाज़ है की गुटबाजी की देन है जैसा देखा जा रहा है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में सत्तापक्ष एकजुट कभी नहीं दिखा जबकि सत्ता में आये 4 साल हो गए कांग्रेस को। गाहे बगाहे जनप्रतिनिधियों की नाराजगी सामने आती रहती है और जो सत्तापक्ष के लिए आगामी चुनावों के हिसाब से सही नहीं कहा जा सकता। कुल मिलाकर कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में विधायक गुट और सत्ताधारी दल का एक अलग ही गुट सक्रिय है और दो भागों में सत्ताधारी दल बंटा हुआ है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष बैठे रहे जमीन पर विधायक के खास समर्थकों ने फिर भी नहीं छोंी अपनी कुर्सी

सत्ताधारी दल के नेता साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रशासन की उपेक्षा के कारण कार्यक्रम में जमीन पर बैठ विरोध दर्ज करते रहे प्रशासन के लोग उन्हें मनाने में लगे रहे वहीं विधायक के खास समर्थक जो न तो निर्वाचित हैं और न ही उनका जनाधार और न ही इनके अंदर दिखा शिष्टाचार वह कुर्सियां छोड़ उठने की जरा भी इक्षाशक्ति नहीं दिखा पाए जबकि जिला पंचायत उपाध्यक्ष एक वरिष्ठ नेता हैं सत्ताधारी दल के और उनके जमीन पर बैठने के बाद कम से कम कुर्सियों पर बैठे विधायक के समर्थकों को कुर्सियां छोड़कर प्रशासन का सहयोग करना था जिला पंचायत उपाध्यक्ष को मनाने में जो वह नहीं करते देखे गए और बैठे रहे। कुल मिलाकर सत्ता का दम साथ ही विधायक का खास होने का अभिमान उनके व्यक्तिव में दिखा और वह अपना सम्मान ज्यादा महत्वपूर्ण मानकर बैठे रहे और एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की उपेक्षा देखते रहे।

विधायक क्यों नहीं लेती अपने पार्टी के जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा पर एक्शन ?

स्थानीय विधायक के विधानसभा में कई बार जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा हुई, वह भी वह जनप्रतिनिधि जो उन्हीं के पार्टी के हैं जब भी उनकी उपेक्षा हुई वह अपने जनप्रतिनिधियों के साथ नहीं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ खड़ी दिखी, अपने जनप्रतिनिधियों का बचाव करने के बजाय उन्होंने प्रशासन का बचाव करना उचित समझा यही वजह था कि विधायक व अपनी ही पार्टी के बीच के लोगों की दूरियां बढ़ती गई इससे पहले राष्टीय पर्व पर भी कुछ ऐसा ही नजारा देखा गया था वहां पर भी विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों को फटकार लगाने के बजाय अपने ही लोगों को फटकार लगा दी थी। प्रशासनिक अधिकारियों का बचाव किया था। एक बार फिर ऐसा ही नजारा देखने को मिला जहां पर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों की चूक पर पर्दा डाल अपने ही लोगों की उपेक्षा का हिस्सा बनती दिखी।

बैकुंठपुर विधायक भी जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के दौरान दिखती हैं प्रशासन के पक्ष में

बैकुंठपुर विधानसभा में प्रायः देखा जा रहा है कि जब भी जनप्रतिनिधियों के सम्मान में प्रशासन की तरफ से कोई कोर कसर रह जाती है तो बैकुंठपुर विधायक प्रशासन के पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। कई ऐसे अवसर आये जब जनप्रतिनिधियों का कहीं न कहीं शासकीय आयोजनों में अपमान हुआ और विधायक जनप्रतिनिधियों साथ देने के बजाय प्रशासन के साथ दिखीं। कुल मिलाकर विधायक बैकुंठपुर विधानसभा के जनप्रतिनिधियों के सम्मान को लेकर जरा भी गंभीर नजर नहीं आतीं, वहीं उपेक्षा के दौरान वह जनप्रतिनिधियों से किनारा कर लेती हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो चुनाव के समय पार्टी के लोग विधायक के कितना साथ देंगे समझा जा सकता है। बैकुंठपुर विधानसभा में शासकीय कार्यक्रमों में केवल विधायक के साथ पहुंचने वाले नेताओं का ही सम्मान होता है और अन्य पार्टी के नेताओं को उपेक्षा झेलनी पड़ती है यह आये दिन की बात हो गई है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष की नाराजगी को जिला पंचायत अध्यक्ष ने जायज बताया

पोड़ी बचरा में तहसील के शुभारंभ में जमीन पर बैठ गए थे उपाध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के जमीन पर बैठने का मामला में जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह ने नाराजगी को जायज बताया कहा की आमंत्रण कार्ड और शिलालेख में नाम न होने प्रशासन की लापरवाही है, जनप्रतिनिधियों को सम्मान मिलना चाहिए।

क्यों टीएस सिंहदेव के कार्यक्रम से विधायक व विधायक समर्थित रहे गायब ?

» टीएस सिंहदेव समर्थित लोगों ने जहां उनका स्वागत जोरदार तरीके से

» किया तो वही विधायक समर्थक गुट कार्यक्रम से दूरी बनाए रखा।

» टीएस के दौरे पर गुटबाजी, कार्यक्रमों में नहीं दिखे विधायक समर्थित गुट,महल में देखे गए।

» अभूतपूर्व भी,ब्लॉक व युकां की दिखी सामूहिक शक्ति।

»टीएस सिंहदेव का हुआ जोरदार स्वागत,टीएस ने कहा इस शहर से सदैव प्यार मिला।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में टीएस सिंहदेव एक बड़ा नाम है और यह नाम इतना बड़ा है की पूरा देश इस नाम से वाकिब है टीएस सिंहदेव जहां छत्तीसगढ़ की सरकार बनाने में अहम भूमिका रही वही सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री बनने को लेकर भी तमाम चर्चाएं रही, आज वह छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री भी हैं जिनका कोरिया दौरे में जहां सभी को संगठित होकर गुटबाजी दूर कर एक साथ होकर इनका स्वागत करना था वहां पर एक बार फिर गुटबाजी ने यह बता दिया कि कांग्रेस के अंदर खाने में दो फाड़ वाले स्थिति आज भी निर्मित है।

जहां बाबा के कट्टर समर्थकों ने ऐतिहासिक तरीके से उनका पटना से लेकर बैकुंठपुर, चिरमिरी, मनेंद्रगढ़ में स्वागत किया गया पर बैकुंठपुर में विधायक समर्थित लोग बाबा समर्थितो के आयोजित कार्यक्रम में जाने से परहेज करते नजर आए, यह हम नहीं यह पूरे बैकुंठपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है बात तो यह भी कही जा रही है कि विधायक अस्वस्थ है इस वजह से वह कार्यक्रम में नहीं आई पर विधायक का अस्वस्थ होने के बाद कार्यक्रम में ना आना तो समझ में आता है पर उनके समर्थक लोगों का भी कार्यक्रम से दूर होना यह कहीं ना कहीं गुटबाजी को बताता है, उसके बाद विधायक समर्थकों का महल में टीएस सिंहदेव के पहुंचने पर दिखना यह भी बताता है कि गुटबाजी तो है। विधायक समर्थित व टीएस समर्थित इन दोनों के बीच काफी दूरियां भी

देखी जा रही हैं पर यह दूरियां क्यों हैं कैसे हैं और कब खत्म होगी इसका तो पता नहीं और इसे खत्म करने का पहल कौन करेगा यह भी एक बड़ा प्रश्न है?

टीएस के पूर्व दौरे पर जिले के सरहद तक रिसीव करने पहुंचे थे विधायक व प्रशासनिक अधिकारी इस बार नदारत क्यों ?

वर्ष 2020 में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का आगमन कोरिया जिले में स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद प्रथम बार हो हुआ था तब विधायक व प्रशासनिक अधिकारी सहित बाबा समर्थित लोग कोरिया जिले के सरहद डूमरिया में बाबा को रिसीव करने पहुंचे थे जहां से उन्हें काफिले के साथ कोरिया के मुख्यालय में आगमन हुआ था पर यह दृश्य सिर्फ एक बार ही देखने को मिला उसके बाद तो सिर्फ गुटबाजी ही देखने को मिल रहे हैं, इस बार भी बाबा के आगमन पर जहां एकजुटता देखनी थी सरहद से बाबा को सम्मान पूर्वक जिले में आगमन कराना था जो नहीं हुआ, दूसरे गुट का कार्यक्रम होने की वजह से विधायक का भी कार्यक्रम में ना पहुंचने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं रही तो वही विधायक समर्थित लोग भी कार्यक्रम में शिरकत करने के बजाय अलग से महल में जब स्वास्थ्य मंत्री स्थानीय विधायक से मिलने पहुंचे तब विधायक समर्थितो ने वहां उनसे मुलाकात की।

आया है राजा लोगो रे लोगो की धुन में कद्दावर नेता व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का हुआ स्वागत

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता कमल हासन की फिल्म अप्पू राजा का मशहूर गीत आया है राजा लोगो रे लोगो.. की धुन में छत्तीसगढ़ के कद्दावर नेता व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का भव्य व ऐतिहासिक स्वागत ब्लॉक व युवा कांग्रेस के नेतृत्व में घड़ी चौक में किया गया। पूरा घड़ी चौक युवक कांग्रेस और कांग्रेस के झंडों व बैनर से भरा पड़ा था। भारी भीड़ के बीच स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का आगमन होते ही कर्मा व शैला नृत्य के बीच शानदार आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया गया। मंच में उनके स्वागत के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

30 साल पहले मैंने यहां से विधानसभा के चुनाव लड़ा था टीएस

इस दौरान टीएस सिंहदेव ने युवक कांग्रेस के चुनाव में जीते हुए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि बैकुंठपुर शहर से उन्हें सदैव भरपूर प्यार और स्नेह मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि 30 साल पहले मैंने यहां से विधानसभा के चुनाव लड़ा था और उस समय मात्र 4 पोलिंग में ही जीत हासिल हुई थी लेकिन उस समय की परिस्थितियां अलग थी और अभी की परिस्थितियां अलग है। उन्होंने कहा कि सभी को मिल जुलकर कांग्रेस को मजबूत करना है और आगे बढ़ाना है।

ब्लॉक व युवक कांग्रेस के आयोजन में भारी भीड़

ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह व युवक कांग्रेस प्रदेश महासचिव संजीव सिंह काजू जब भी किसी कार्यक्रम का नेतृत्व करते हैं उस कार्यक्रम में हमेशा बड़ी तादात में कांग्रेसी उमड़ पड़ते हैं। इसका एक कारण वरिष्ठ के साथ युवावर्ग व महिलाओं को सम्मान देने की वजह भी हो सकती है। आज के इस आयोजन के बाद एक बार फिर अजय सिंह व संजीव सिंह काजू की जोड़ी ने अपने साथियों के साथ अपनी ताकत भी दिखा दी। इस आयोजन में अम्बिकापुर से आए ट्रेड यूनियन के जेपी श्रीवास्तव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष नजीर अजहर, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप गुप्ता, मंडी अध्यक्ष ब्रजवासी तिवारी, प्रवीण भट्टाचार्य, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल, चरचा शहर के ब्लॉक अध्यक्ष अजीत लकड़ा, सुरेंद्र तिवारी, मनोज दुबे, अमित दुबे, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामसजीला यादव, राकेश जायसवाल, विनोद शर्मा पटना, विनोद शर्मा बैकुंठपुर, अंकित गुप्ता, रामकृष्ण साहू, हेमसागर यादव, अरशद, नागेश्वर यादव, सोनूराज यादव, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष मनजिंदर कौर सहित अनेक कांग्रेसी व युवक कांग्रेस के साथ आम जनता उपस्थित रही।

रेडी-टू-ईट फूड की अफरा-तफरी करने वाले 05 लोगों के विरुद्ध

पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

-संवाददाता-
कोरबा, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

आंगनबाड़ी केंद्रों में हितग्राहियों को वितरण किए जाने वाले रेडी-टू-ईट फूड दलिया की अफरा-तफरी करने वाले 5 लोगों के विरुद्ध पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर। वही आरोपियों में एक महिला भी शामिल है जिसने दलिया की बोरियां खरीदी थी। वही कोरबा जिले के शहरी क्षेत्र में यह मामला 5 अक्टूबर को पकड़ में आया था जिसकी जांच में खुलासा हुआ है कि ग्रामीण अंचल के आंगनबाड़ी केंद्रों में बंटने वाला रेडी-टू-ईट फूड कुदमुरा सेक्टर में पहुंचाने की बजाय खरमोरा के गोकुल नगर में बेच दिया गया। वही 5 अक्टूबर को रामपुर चौकी प्रभारी एसआई कृष्णा साहू के नेतृत्व में पुलिस ने दबिश देकर इसे पकड़ा और 26 बोरियां रखे हुए कमरा को सील कर दिया। मौके पर मिले पिकअप क्रमांक सीजी-12-बीई-3674 में लदा 132 बोरी रेडी टू ईट को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में चौकी लाया गया। वही पुलिस द्वारा प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग एमडी नायक से जांच प्रतिवेदन मांगा गया। डीपीओ श्री नायक के जांच प्रतिवेदन के आधार पर परिवहनकर्ता लालाराम राठिया, गोविंद साव, आकाश झारिया, द्वारिका प्रसाद तथा दलिया खरीदने वाली सरस्वती देवी के विरुद्ध अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम 3,7 तथा 34 भादवि के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है। वही विभागीय जांच के दौरान कुदमुरा सेक्टर की सुपरवाईजर श्रीमती हरा राठौर ने बताया कि कुदमुरा सेक्टर में सितंबर 2022 के लिए 2625 पैकेट (170 बोरी लगभग) दलिया की मांग थी, किन्तु 12 अक्टूबर तक प्रदाय नहीं किया गया। पुलिस द्वारा जप्त दलिया कुल 170 बोरी है, जिसे कुदमुरा सेक्टर के वितरण हेतु बचे 170 बोरी रेडी टू ईट फूड को जिल्गा गोदाम से 5 अक्टूबर को पिकअप में लोड किया किन्तु कुदमुरा सेक्टर के आंगनबाड़ी केंद्रों में न पहुंचाकर लालाराम राठिया व गोविंद साव के द्वारा गोकुल नगर के खटाल में सरस्वती देवी के घर 26 बोरी (18 किलो प्रति बोरी कुल 468 किलो) को बेच दिया गया। सरस्वती ने बताया कि 250 रुपए प्रति बोरी की दर से 26 बोरी दलिया उसने खरीदा था। यही नहीं लेमरू सेक्टर की पर्यवेक्षक श्रीमती कौशल्या प्रधान ने बताया कि सितंबर माह के लिए सेक्टर में 2467 पैकेट कम प्रदाय किया गया था। इन मामलों से स्पष्ट हुआ कि जिले के ग्रामीण और वनांचल तथा दूरस्थ क्षेत्रों में कुपोषण से जंग लड़ने के लिए प्रदाय किए जाने वाले रेडी-टू-ईट का वितरण किस तरह से हो रहा है। स्थानीय परियोजना अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर इससे अनजान हों, यह भी संभव नहीं। इस तरह के अति आवश्यक खादय पदार्थों की अफरा-तफरी करने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

पुलिस द्वारा किया जा रहा कॉम्बिंग गश्त

-संवाददाता-
कोरबा, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक कोरबा यू उदय किरण के निर्देश पर त्योहारी सीजन में अपराधों पर रोकथाम तथा संदिग्धों की धरपकड़ हेतु कोरबा पुलिस द्वारा

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व , नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा ईश्वर त्रिवेदी के पर्यवेक्षण में जिले के सभी थाना चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान का उद्देश्य त्योहारी सीजन में होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ अपराधी एवं संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ किया जाना है ।

लोक निर्माण विभाग के काले कारनामों का सच

सड़कों की मरम्मत के नाम से लाखों का वारा न्यारा

-पृथ्वीलाल केशरी-
रामानुजगंज 16 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

अच्छी सड़कें नागरीकों का मौलिक अधिकार है गडढ़ा मुक्त सड़के उपलब्ध कराना राज्य शासन का वैधानिक दायित्व है। लेकिन लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के मिली भगत से प्रत्येक वर्ष सड़कों के मेन्टेनेंस के नाम पर लाखों रूपये का व्यारा-न्यारा कर अपनी एवं अपने उच्चाधिकारियों के जेबे गर्म करने में लगे हुए हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर के डामरीकरण सड़कों का मेन्टेनेंस के नाम पर लाखों रुपये राज्य सरकार से विभाग को प्राप्त हो रहे है। इसके बाद भी सड़कों की माली हालत में सुधार नहीं हो पा रहा है जिसका खामियाजा नगर की जनता को भुगतना पड़ रहा है। नगर के पुरे लोग धुल धुसरीत जीवन जी रहे हैं। आय दिन गड्ढो में पानी भरने से कीचड़ो का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से जमे अधिकारी एवं कर्मचारी बनिया का दुकान बना कर रख दिये है। जब की उचित ढंग से रख-रखाव वाली सड़के का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारो का हिस्सा है। उसके उपर से किसी भी प्रकार का नुकसान होने पर नागरिकों को विभाग से क्षतिपूर्ति लेने का

अधिकार है। जिसका लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी खुले आम उल्लंघन कर रहे है। जिसका खामियाजा आज जनता को भुगतना पड़ रहा है ठेकेदार एवं अधिकारी कर्मचारी प्रत्येक वर्ष कागजों पर मेन्टेनेंस को दिखा कर लाखों रूपये हजम कर जा रहे है। लगता है कि काली कमाई का हिस्सा इस क्षेत्र के निर्वाचित एवं मनोनित जनप्रतिनिधियों को पहुंच रहा है। शायद यही एक बड़ा वजह है जिसके कारण जनता को मिलने वाले मूलभूत सुविधाओं के प्रति लोक निर्माण विभाग उदासीन रवैया अपनाए हुए है। चुनाव के समय आम जनता से मूलभूत सुविधाओं के लिए बेहतर काम करने का वादा करने वाले जनप्रतिनिधियों के द्वारा लोक निर्माण विभाग पर कोई नियंत्रण नहीं होने के कारण विभाग अपने मनमानी पर आमादा है। अब सवाल यह उठता है। कि आम जनता के प्रतिनिधित्व करने के नाम पर जो दायित्व उठाया है। उसका क्या, क्या इसी तरह नगर कि जनता अपने मौलिक अधिकारों से वंचित रहेगा या आने वाले समय में कुछ सुधार की आशा है। नगर की जनता अपने मौलिक अधिकार के लिए जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार से यह मांग कर रहीं है कि नगर की सड़कों का तत्काल सुधार कार्य कराते हुए वर्षो से जमे अधिकारी एवं कर्मचारियों को पृथक कर विभाग की छवि को धूमिल होने से बचाया जा सकें।

एसईसीएल दीपका परियोजना में सीआईएसएफ के जवानों ने एसईसीएल कर्मी को

डीजल चोर बताकर बनाया बंधक और की मारपीट

-संवाददाता-
कोरबा, 16 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

एसईसीएल की दीपका परियोजना के एमटीके-2 पर सुबह खासा बवाल मचा गया था। वही एसईसीएल के एक कर्मी को सीआईएसएफ के जवानों ने डीजल चोर बताकर बंधक बनाया और मारपीट किया। इस बात की जानकारी लगने पर एसईसीएल कर्मचारियों ने विरोध किया। बात बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। वही इस घटना के संबंध में बताया कि दीपका परियोजना में निलेश कुमार माइनिंग सरदार है, जिसके साथ सुबह 5 बजे सीआईएसएफ के 4 जवानों ने एक घंटा बंधक बनाकर मारपीट किया। निलेश कुमार अपना परिचय जवानों को देता रहा और सीआईएसएफ के जवान डीजल चोर हो कह कर मारपीट करते रहे। निलेश कुमार किसी तरह यहां से बाहर निकला और सुबह 7 बजे एमटीके-2 पर हाजिरी लगाने पहुंचे साथी कर्मचारियों को बताया तो कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया। दोनों पक्ष आमने-सामने हुए तो बहसबाजी के मध्य जमकर मारपीट हो गई। कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। वही पूरे मामले का पटाक्षेप परियोजना अधिकारी मनोज सिंह के द्वारा मान-मनौव्वल करने के साथ हुआ।

CMYK

बारिश की वजह से रद्द हो सकता है मैच

मेलबर्न, 16 अक्टूबर 2022। वर्तमान में सभी क्रिकेट प्रेमी उसी दिन का इंतजार कर रहे हैं। वो दिन अगले रविवार का है, यानी 23 अक्टूबर को क्रिकेट के मैदान पर महायुद्ध होगा। वर्ल्ड कप का मैच भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न में खेला जाएगा। लेकिन फैंस को निराशा हासिल हो सकती है और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण बारिश है। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में 23 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान का हाईवोल्टेज मैच मेलबर्न का मजा खराब हो सकता है। उस दिन मेलबर्न में बारिश होने की संभावना है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि बारिश की वजह से वर्ल्ड वॉर ऑफ क्रिकेट का मैच खराब हो सकता है।

भारत-पाक मैच से पहले बुरी खबर

वेदर फोरकास्ट एजेंसी के मुताबिक 20 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के 3 राज्यों में बारिश होगी। इस बार भी मौसम सर्द रहेगा। मेलबर्न में भी मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है। मौसम की जानकारी देने वाली वेबसाइट के मुताबिक 23 अक्टूबर की सुबह मेलबर्न में बारिश की संभावना है। इसके बाद पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। इसी तरह 22 अक्टूबर को होने वाले मैच से एक दिन पहले बादल छाए रहेंगे। दोपहर में भारी बारिश की संभावना है। इतना ही नहीं पूरा दिन बारिश से भरा रह सकता है।

वर्ल्ड कप से पहले आईसीसी ने सभी कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस की. प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा ने कई जवाब दिए। साथ ही रोहित ने इस बात के संकेत दिए हैं कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन पाकिस्तान के खिलाफ कैसी होगी। रोहित ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को होने वाले मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन तय हो गई है। मैंने उन खिलाड़ियों को बता दिया है जो खेलने जा रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के पूर्व रिकार्ड कीपर कृष रेड्डी का निधन

केपटाउन ,, 16 अक्टूबर 2022। दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत और गैर-नस्लीय क्रिकेट के पूर्व रिकॉर्ड-कीपर कृष रेड्डी का हृदयगति रूकने से निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे।

रेड्डी उन अश्वेत खिलाड़ियों के रिकॉर्ड को समेटने और संरक्षित करने के लिए अपने समर्पण के लिए जाने जाते थे, जिन्हें दक्षिण अफ्रीका के अलग-अलग क्षेत्रों में पहचान नहीं मिली अथवा क्रिकेट के प्रति उनके समर्पण के किस्से कहानी से कोई अपरिचित नहीं है।

वर्ष 1999 में रेड्डी ने नेटाल में एक पुस्तक, द अदर साइड, एन एंथोलॉजी ऑफ़ ब्लैक क्रिकेट प्रकाशित की। उन्होंने ब्लैक इन व्हाइट्स का सह-लेखन भी किया, जो 2002 में चाजुलु-नेटाल में रंग के क्रिकेटरों के संघर्ष पर प्रकाशित एक पुस्तक थी। वह दुनिया भर के 100 खिलाड़ियों, लेखकों, अंपायरों, इतिहासकारों और खेल के अन्य दर्शकों के पैनल का भी हिस्सा थे, जिन्होंने विजडन के सदी के पांच क्रिकेटरों का चयन किया था।

चाजुलु-नताल (केजेडएन) क्रिकेट के अध्यक्ष, यूनुस बोबत ने रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा यह केजेडएन के लिए एक बड़ी क्षति है और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए एक दुखद दिन है। हम हमेशा हमारे सुंदर खेल के उत्थान के लिए कृष के अटूट जुनून की सराहना और सम्मान करेंगे।

दिल्ली सीनियर लीग का आयोजन 18से

नयी दिल्ली , 16 अक्टूबर 2022। दिल्ली की 11 फुटबॉल टीमें दिल्ली सॉकर एसोसियेशन उर्फ फुटबॉल दिल्ली (एफडी) के प्रीमियर डिवीजन में जगह बनाने के लिये दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग 2022-23 में 18 अक्टूबर से आमने-सामने होंगी।

एफडी के चेयरमैन जगदीश मल्होत्रा ने आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहली दिल्ली प्रीमियर लीग और महिला प्रीमियर लीग के सफल आयोजन से उत्साहित पदाधिकारियों को उम्मीद है कि पिछले आयोजनों की तरह सीनियर डिवीज़न लीग भी सफल साबित होगी।

उन्होंने बताया कि भाग लेने वाली टीमों में नेशनल यूनाइटेड, जगुआर एफसी, सीआईएसएफ प्रोटेकटर्स, यूनाइटेड भारत, गढ़वाल डायमंड एफसी, यंगमेन एससी, अहबाब एफसी, शास्त्री एफसी, दिल्ली टाइगर्स एफसी, सिटी एफसी और दिल्ली यूनाइटेड एफसी शामिल हैं।

सीनियर डिविजन लीग के मुकाबले राउंड रॉबिन आधार पर खेले जाएंगे। पहले राउंड के बाद शीर्ष छह टीमें सुपर-6 राउंड में प्रवेश करेंगी जबकि बची हुई पांच टीमें रेलीगेट राउंड खेलेंगी। टूर्नामेंट की समाप्ति के बाद विजेता और उपविजेता को प्रीमियर लीग में प्रोन्नत कर दिया जायेगा। अंक तालिका में सबसे नीचे रहने वाली दो टीमें डिवीजन-1 में अवनत कर दी जाएंगी।

एफडी के कार्यकारी अध्यक्ष शराफ़तुल्लाह ने बताया कि विजेता टीम को एक लाख रुपये का इनाम दिया जायेगा जबकि उपविजेता टीम 75,000 रुपये की धनराशि से पुरस्कृत होगी। लीग का उद्घाटन मैच मंगलवार 1130 बजे जगुआर और नेशनल यूनाइटेड एफसी के मध्य खेला जाएगा।

अध्यक्ष शराफत ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उम्मीद जताई कि मुकाबले दिल्ली प्रीमियर लीग की तरह रोमांचक रहेंगे। उन्होंने माना कि रेफरियों के स्तर में सुधार की जरूरत है और उनके निरीक्षण के लिए बाकायदा एक कमेटी का गठन किया गया है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में स्वीकार किया कि दिल्ली की फुटबाल में बाहरी खिलाड़ी बढ़ रहे हैं और दिल्ली के लड़के और लड़कियों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे, हालांकि उन्होंने बाहरी खिलाड़ियों की अधिकाधिक भागीदारी को स्थानीय फुटबाल के लिए शुभ लक्षण बताया।

इस अवसर पर डीएसए के कोषाध्यक्ष लियाकत अली और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

इसी बीच, आयोजन समिति ने प्रीमियर लीग में हुई अनियमितताओं को दुर्भाग्यपूर्ण बाताया। समिति ने क्लबों की बढ़ती उदंडता को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि दोषियों को माफ नहीं किया जाएग।

नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले चोटिल हुए मदुशंका,बिनुरा फर्नांडो को टीम में लिया गया

गीलॉन्ग , 16 अक्टूबर 2022। श्रीलंका ने चोटिल दिलशान मधुशंका की जगह बिनुरा फर्नांडो को टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बयान में कहा,'' आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की प्रतियोगिता तकनीकी समिति ने चोटिल तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की जगह बिनुरा फर्नांडो को श्रीलंकाई टीम में शामिल करने की अनुमति दे दी है।'' मधुशंका की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। श्रीलंका में उनकी जगह बिनुरा फर्नांडो का चयन किया था जिन्होंने अभी तक नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं। फर्नांडो श्रीलंका से यात्रा करके ऑस्ट्रेलिया में टीम से जुड़ेंगे। किसी भी खिलाड़ी के स्थान पर किसी दूसरे खिलाड़ी को शामिल करने के लिए प्रतियोगिता की तकनीकी समिति की मंजूरी की जरूरत पड़ती है।

विश्व कप से पहले तकनीकी बदलाव करने की कोशिश कर रहा हूं : फिंच

मेलबर्न, 16 अक्टूबर 2022। खराब फॉर्म से जूझ रहे आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि वह टी20 विश्व कप से पहले अपने खेल में कुछ तकनीकी बदलाव कर रहे हैं। हाल ही में आस्ट्रेलिया की वनडे कप्तानी छोड़ने वाले फिंच इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों में 25 रन ही बना सके।

उन्होंने कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के लिये जोखिम भी है और पुरस्कार भी। आक्रामक खेलकर आप टीम को अच्छी शुरूआत दिला सकते हैं लेकिन यह हमेशा रणनीति के अनुरूप नहीं रहता। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं। लंबे समय तक टी20 क्रिकेट खेलने पर पता चल जाता है कि उतार चढाव तो आयेंगे ही।

फिंच ने कहा ,'' मैने कुछ तकनीकी बदलाव किये हैं और विश्व कप के लिये पूरी तरह से तैयार हूं।'' आस्ट्रेलिया का सामना 22 अक्टूबर को सिडनी में न्यूजीलैंड से होगा। फिंच ने कहा कि उनके पास काफी संतुलित टीम है। उन्होंने कहा ,'' सिर्फ 11 खिलाड़ी ही विश्व कप नहीं जीतते, सभी 15 खिलाड़ियों का योगदान होता है। हमारे पास काफी संतुलित टीम है। टीम में कई मैच विनर हैं। बल्लेबाजी में भी और गेंदबाजी में भी।''

आस्ट्रेलिया ने पिछली तीन में से दो टी20 श्रृंखलायें गंवाई हैं लेकिन फिंच ने कहा कि महत्वपूर्ण बात सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा ,'' सही समय पर अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। पिछले प्रदर्शन पर विश्लेषण करने का कोई फायदा नहीं। टीम में सभी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिये और उसके अनुरूप प्रदर्शन करना जरूरी है।

भारत में नियमित लोगों के लिए खेल की परंपरा नहीं है:मिलिंद सोमन

मुंबई (महाराष्ट्र) 16 अक्टूबर 2022। अभिनेता और फिटनेस उत्साही मिलिंद सोमन को लगता है कि भारत में नियमित लोगों के लिए ÷खेल की परंपरा÷ नहीं है, और इस विशेष कारण से मैराथन में दौड़ना एक नई सांस के रूप में आता है। कुछ लोगों के लिए हवा जो गतिहीन जीवन शैली का पालन कर रहे हैं।

57 वर्षीय अभिनेता ने रविवार को गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब द्वारा प्रस्तुत जीएम हाफ मैराथन में शिरकत की। मेगा इवेंट ने सभी खेल उत्साही लोगों से भारी ऑनलाइन पंजीकरण प्राप्त किया और जीएम हाफ मैराथन द्वारा उद्धृत उत्साह और जबरदस्त ऊर्जा के साथ ट्रैक पर चलने वाले जीवन और उम्र के सभी क्षेत्रों के कुलीन और नए धावक दोनों को देखा।

मिलिंद सोमन इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर खुश थे और उन्होंने कहा कि फिटनेस और जीवन शैली पर विस्तार से बोलने के अलावा इस तरह के आयोजन नियमित रूप से किए जाने चाहिए।

÷मैं हमेशा दौड़ने और दौड़ने की घटनाओं से जुड़कर बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह जीएम मॉड्यूलर और गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब द्वारा एक महान पहल है। हमें इस तरह के कई और आयोजन होने चाहिए क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, भारत करता है÷ नियमित लोगों या व्यायाम या फिटनेस के लिए खेल की परंपरा नहीं है, ÷मिलिंद सोमन ने मुंबई में यहां जीएम हाफ मैराथन के मौके पर एएनआई को बताया।

÷और इस तरह की जितनी अधिक घटनाएं हमारे पास हैं, जो दौड़ने के बारे में हैं, क्योंकि दौड़ना वास्तव में एक प्राकृतिक गतिविधि है। यह इतना आसान है, करना आसान है। हमें किसी भी महान बुनियादी ढांचे या उपकरण की आवश्यकता नहीं है, इसलिए कोई भी दौड़ सकता है किसी भी उम्र में। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक महान पहल है। मैं उनकी सभी सफलता की कामना करता हूं, यहां आकर बहुत खुश हूं, और मुझे आशा है कि वे भविष्य में भी कई और जोड़ियां जारी रखेंगे।÷

मिलिंद, जिनके लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है, ने कहा कि मैराथन दौड़ना 21वीं सदी में एक उत्सव है। आखिरी बार हरी झंडी दिखाने के बाद अभिनेता खुद पांच किलोमीटर तक दौड़े।

÷मुझे लगता है कि जब कोई भी किसी भी तरह का आंदोलन करता है, तो यह उत्सव होता है क्योंकि आज के समय में जहां बहुत कुछ है, गतिहीन जीवन, आप जानते हैं, प्रौद्योगिकी के कारण, समाज ने सभी के लिए इतनी सारी सुविधाएं पैदा की हैं, हमने होने का अवसर खो दिया है पहले सक्रिय, ÷मिलिंद ने कहा।

÷सक्रिय होना बहुत स्वाभाविक था। सक्रिय होना सामान्य था। अब हमें सक्रिय होने के तरीके खोजने होंगे। इसलिए किसी भी तरह से हम सक्रिय होने का पता लगा सकते हैं, यह एक उत्सव है। क्या आप हर दिन अपने लिए पांच मिनट निकाल सकते हैं। आप हर दिन अपने लिए 15 मिनट निकाल सकते हैं। यह एक उत्सव है।÷

इस बीच, मैराथन के विजेता को इस उपलब्धि के लिए एक प्रतिष्ठित सोने के सिक्के से पुरस्कृत किया गया। जयंत जैन, जीएम मॉड्यूलर सीईओ और एमडी ने कहा कि लक्ष्य इस आयोजन में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करना है।

÷मुंबई एक शहर के रूप में बहुत बड़ा है, बहुत से लोग फिटनेस में हैं और फिटनेस के संबंध में अधिकतम प्रभाव पैदा करने के लिए इस तरह के एक आयोजन का आयोजन करना बेहतर है। विचार कुछ और नहीं बल्कि इस तरह के मेगा कार्यक्रमों में अधिक लोगों को शामिल करने और भाग लेने के लिए है।÷ एएनआई को बताया।

400 करोड़ के बाद भी जारी है पोन्नियन सेल्वन की कमाई

मणिरत्नम द्वारा निर्देशित फिल्म पोन्नियन सेल्वन 30 सितंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म दो भागों में दर्शकों के बीच आएगी। इसका पहला भाग तमिल, मलयालम, तेलुगु और कन्नड़ के अलावा हिंदी में रिलीज हुआ है। फिल्म कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म ने पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर कीर्तिमान रचना शुरू कर दिया था। फिल्म दुनियाभर के बॉक्सऑफिस पर 400 करोड़ रुपये कमा चुकी है। नजर डालते हैं फिल्म के कुछ बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स पर।

रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने भारत में पहले दिन करीब 39 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 80 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था। तमिलनाडु बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले दिन करीब 22 करोड़ रुपये कमाए थे। यह मणिरत्नम के करीब बीस साल के करियर में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। पहले दिन से अबतक फिल्म का शानदार प्रदर्शन बरकरार है।

अमेरीका में आमतौर पर तमिल से ज्यादा तेलुगु फिल्म पसंद की जाती हैं। रजनीकांत की कुछ फिल्मों को छोड़ दें तो अमेरीका में कोई भी तमिल फिल्म बाहुबली जैसा कमाल नहीं कर सकी। रजनीकांत की फिल्म कबाली ने अमेरीका में करीब 37 करोड़ 93 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। 2.0 ने करीब 42 करोड़ रुपये की कमाई की थी। पोन्नियन सेल्वन 1 ने इन दोनों फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए अमेरीका में अब तक करीब 49 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

इससे पहले फिल्म कमल हासन की फिल्म विक्रम ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाई थी। इस फिल्म ने दुनियाभर में 430 करोड़ रुपये कमाए थे। पोन्नियन सेल्वन 1 की बात करें तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म देखने के लिए दर्शकों का आना अब भी लगा हुआ है। ऐसे में यह जल्द ही विक्रम की इस फिल्म को पीछे छोड़ सकती है। फिल्म ने तमिलनाडु के बॉक्स ऑफिस पर तेजी से 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ था। राज्य के बॉक्स ऑफिस पर विक्रम ने करीब 183 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं पोन्नियन सेल्वन 1 ने विक्रम को पछाड़ते हुए 186 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दर्शकों की भीड़ को देखते हुए सिनेमाघर मालिकों ने फिल्म को स्क्रीन पर जारी रखने का फैसला किया है। इसका असर दिवाली पर आने वाली फिल्मों पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन प्राइम ने पोन्नियन सेल्वन फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों के स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल कर लिए हैं। पोन्नियन सेल्वन 1 और पोन्नियन सेल्वन 2 के लिए अमेजन प्राइम ने 125 करोड़ रुपये की डील की है। ये फिल्में थिएट्रिकल रिलीज के बाद इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो सकती हैं। इसके अलावा सन टीवी को सैटेलाइट राइट्स भी भारी-भरकम कीमत पर बेचे गए हैं।

फिल्म के साथ ऐश्वर्या राय चार साल बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। इससे पहले वह 2018 की फिल्म फन्ने खां में नजर आई थीं।

हॉलीवुड फिल्म से दिशानी चक्रवर्ती करेंगी अपने अभिनय करियर की शुरूआत

बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी चक्रवर्ती हॉलीवुड शार्ट फिल्म द गेस्ट से अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रही हैं। फिल्म द गेस्ट कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सराहना पा चुकी है। दिशानी ने फिल्म मेकिंग के गुर सीखने के लिए लॉस एंजिल्स में लंबा समय बिताया है।दिशानी चक्रवर्ती ने अभिनेत्री के रूप में अपना करियर शुरू करने से पहले मुंबई में जेफ गोल्डबर्ग स्टूडियो और फिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी में अभिनय और फिल्म निर्माण का प्रशिक्षण लिया है। उन्हें दो विज्ञापनों फिल्मों में भी काम करने का मौका मिल चुका है।

दिशानी चक्रवर्ती ने कहा, लॉस एंजिल्स में अपना करियर शुरू करने का अपरंपरागत रास्ता चुनना सबसे आसान यात्रा नहीं रही है। लेकिन मुझे उन कहानियों और किरदारों के लिए इतना जुनून है कि मैं हर बढ़िया किरदार निभाना चाहती हूं। मैं अपने पिता से बहुत कुछ सीख कर बड़ी हुई हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं अपने काम के माध्यम से इसे प्रदर्शित कर सकूंगी।

'ड्रीम गर्ल 2' की तैयारी के लिए किशोर कुमार का गाना सुन रहे हैं आयुष्मान

अगर आप आयुष्मान खुराना की उत्कृष्टता और सफल स्ट्रीक के कारण के बारे में सोच रहे हैं, तो सीधे आयुष्मान से सुनें- वह भारतीय सिनेमा के सबसे कुशल कलाकारों में से एक ङ्क गायक-अभिनेता-संगीतकार किशोर कुमार को अपना आदर्श मानते हैं। और यही बात आयुष्मान के काम में भी झलकती है, चाहे वह उनका अभिनय कौशल हो या संगीत प्रतिभा जो उनके पास है।उसी के बारे में बात करते हुए, आयुष्मान ने कहा, किशोर कुमार बहु-प्रतिभाशाली थे और एक कलाकार के रूप में, मैं हर मोड़ पर उनसे प्रेरणा लेता हूं। वह मेरे गुरु रहे हैं और उनका काम मुझे सीमाओं को पार करने और अज्ञात क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अपनी सफल फिल्म 'ड्रीम गर्ल' के सीक्वल की शूटिंग के दौरान किशोर दा का सबसे सम्मानित ट्रैक 'आके सीधी लगी दिल पे' फिल्म 'हाफ टिकट' से सुन रहे हैं।

किशोर कुमार ने इस गाने के लिए पुरुष और महिला दोनों को आवाज दी थी और यह एक बड़ी हिट बन गई थी।

आयुष्मान ने कहा, जब से मैं ड्रीम गर्ल 2 की शूटिंग कर रहा हूं, तब से मैं किशोर दा का अद्भुत ट्रैक एक सीधी लगी दिल पे लूप पर सुन रहा हूं। उनकी आवाज जादुई है।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ जारी है न्याय

17 अक्टूबर, 2022 को

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

26 लाख से अधिक किसानों को

1,745 करोड़ रु की तीसरी किस्त जारी

सरकार द्वारा अब तक 16,415 करोड़ रु की आदान राशि का भुगतान

न्याय का असर, किसानी बना फायदे का सौदा

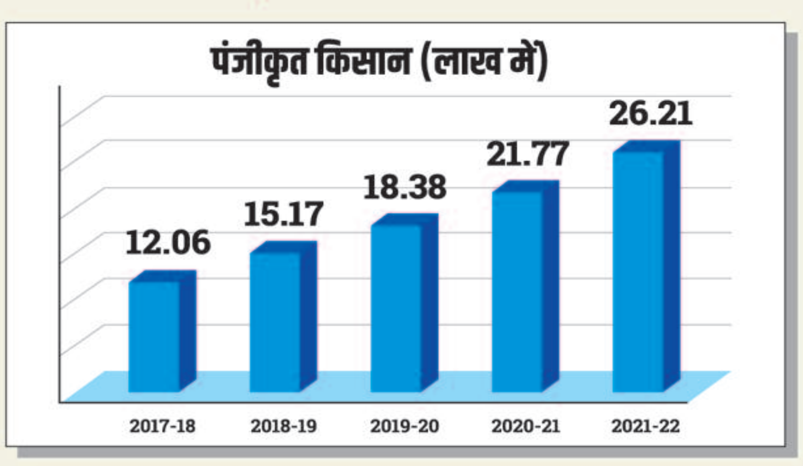

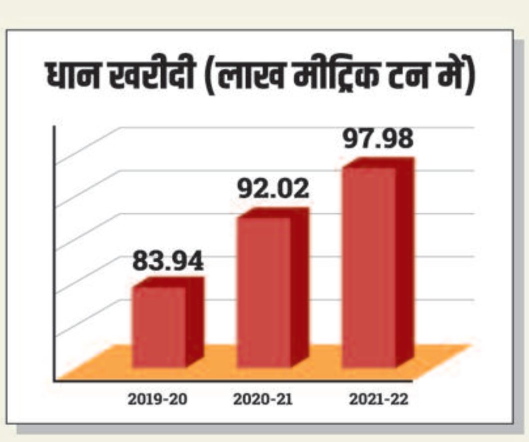

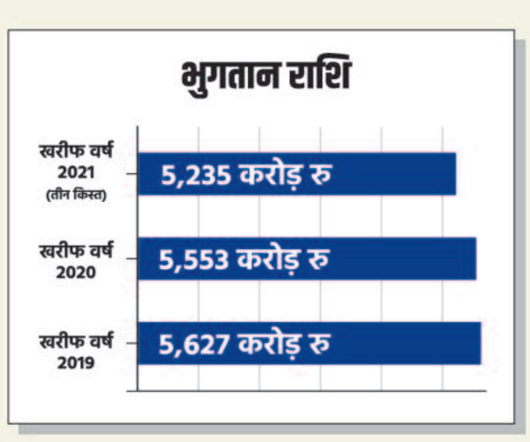

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर
अरहर, मूंग और उड़द दालों की खरीदी की अभिनव पहल

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना

सालाना 7,000 रु की आर्थिक सहायता

4.66 लाख हितग्राहियों को 115.8 करोड़ रु का अंतरण

अब तक 326.75 करोड़ रु प्रदत्त

न्याय का बढ़ा दायरा

योजना में शामिल नए हितग्राही

पुजारी, बैगा, गुनिया, मांझी, हाट पहरिया और बाजा मोहरिया

गोधन न्याय योजना

ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों
और गौठान समितियों को

5.59 करोड़ रु का अंतरण

योजना के तहत अब तक 338.14 करोड़ रु का भुगतान

गोधन से संवरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

शासन द्वारा 4 रु प्रति लीटर की दर से गोमूत्र एवं
2 रु प्रति किलो पर गोबर की खरीदी

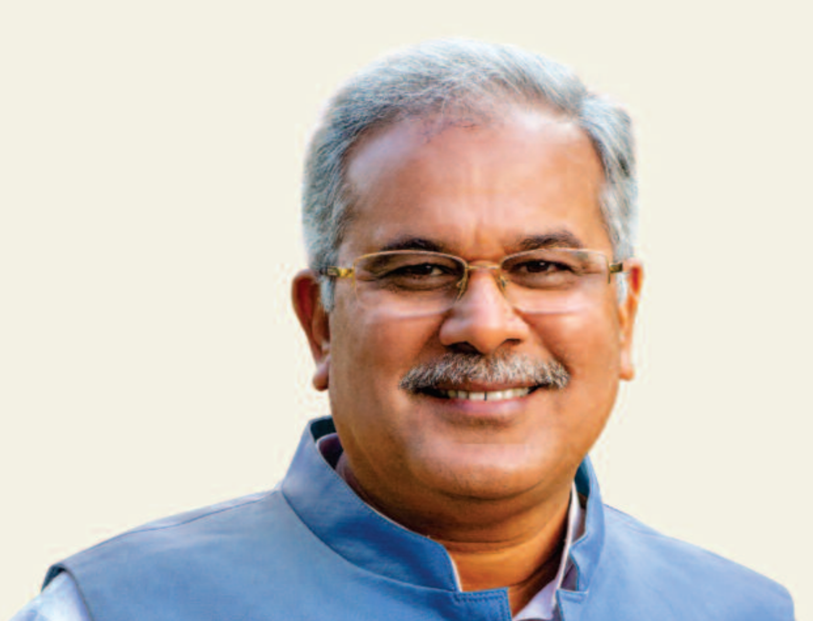

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 34290/68

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)